Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/20-23 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

वर्ष-३० अंक-०६-०७ प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो १६ मार्च - १५ अप्रैल २०२२ (संयुक्तांक) पृष्ठ १२ मूल्य:१० रु.मात्र (रंगीन सहित)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ८ मार्च, २०२२ को नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से कच्छ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

महिलाओं की प्रगति राष्ट्र के सशक्तिकरण को देती है बल-पीएम मोदी

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कच्छ में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एक सेमिनार को संबोधित किया। दिनांक ०८.०३.२०२२ को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कच्छ की सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उपस्थित लोगों को बधा दी। उन्होंने सदियों से कच्छ की भूमि के विशेष स्थान को नारी शक्ति के प्रतीक के रूप में मान्यता दी क्योंकि यहां मां आशापुरा मातृशक्ति के रूप में विराजती हैं। उन्होंने कहा, "यहां की महिलाओं ने पूरे समाज को कठोर प्राकृतिक चुनौतियों के साथ जीना सिखाया है, जूझना सिखाया है और जीतना सिखाया है।" उन्होंने जल संरक्षण के लिए कच्छ की महिलाओं की भूमिका की भी प्रशंसा की। चूंकि कार्यक्रम एक सीमावर्ती गांव में हो रहा था, इसलिए प्रधानमंत्री ने १९७१ के युद्ध में इस क्षेत्र की महिलाओं के योगदान को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर में मीराबाई से लेकर दक्षिण में संत अक्का महादेवी तक भारत की दिव्य महिलाओं ने भक्ति आंदोलन से लेकर ज्ञान दर्शन तक समाज में सुधार और बदलाव को आवाज दी है।

योगी आदित्यनाथ ने दूसरी बार ५२ मंत्रियों के साथ संभाली यूपी की कमान

रे.स.ब्यूरो। योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। शुक्रवार दिनांक २५.०३.२०२२ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिह चौहान, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की मौजूदगी में पूरे मंत्रिमंडल ने शपथ ली। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक उप मुख्यमंत्री बनाए गए। कुल १८ कैबिनेट मंत्री, १४ स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री और २० राज्यमंत्रियों ने भी शपथ ली।

शुक्रवार को ४ बजकर २० मिनट पर शपथ ग्रहण समारोह की कार्रवाई शुरू हुई। इसके बाद केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसी क्रम मे सभी कैबिनेट और राज्यमंत्रियों को भी शपथ दिलाई गई। वहीं मंत्रिमंडल से कई प्रमुख चेहरों को बाहर का रास्ता दिखाते हुए सामाजिक समीकरणों को संतुलित करने वाले अलग-अलग वर्गों से ३१ नए चेहरों के जरिए भविष्य की तैयारी के संकल्प का संदेश भी दिया गया है।

मंत्रिमंडल में सामाजिक, राजनीतिक और क्षेत्रीय सरोकारों के समीकरणों के साथ पुराने व नए चेहरों के संतुलन से एजेंडे पर ज्यादा साहस व सक्रियता से काम करने का भरोसा भी जताया गया है।

डॉ. दिनेश शर्मा सहित कई बड़े चेहरों को योगी सरकार की दूसरी पारी में जगह न देकर यह भी स्पष्ट कर दिया गया कि बेदाग छवि के साथ नेतृत्व को २०२४ के लिए नतीजे देने वाले चेहरों की भी जरूरत है।

मध्य रेल की १,०००वीं किसान रेल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

साभार: अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री और श्री नरेंद्र सिह तोमर, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने वेबलिंक के माध्यम से मध्य रेल

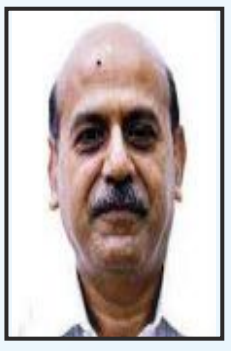

की सावदा, महाराष्ट्र से आदर्श नगर, दिल्ली के लिए किसान रेल की १,०००वीं सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।सवदा से आदर्श नगर दिल्ली रवाना हुई इस किसान रेल में १८ पार्सल वैन सहित २३ डिब्बे थे, जिनमें ४५३ टन केलों का परिवहन किया गया। इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में किसानों की बेहतरी के लिए अनेक पहलों को क्रियान्विती किय गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सिकान रेल के माध्यम से बेहतर मूल्य दिलवानें के लिए दूर-दूरी के बाजारों में फलों और सब्जियों का परिवहन एक ऐसी ही योजना थी। श्री तोमर ने कहा कि मध्य रेल पर किसान रेल की १०००वीं सेवा को हरी झंडी दिखाने के इस अवसर पर उपस्थित होकर उन्हें बहुत खुशी हो रही क्योंकि वे पहली किसान रेल और १००वीं किसान रेल को हरी झंडी दिखाने के अवसर के भी साक्षी थे। रेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा किसान हित को केन्द्र में रखते हैं और किसानों की भलाई के लिए विभिन्न कदम उठातें हैं।

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने किया कानपुर-टूंडला रेलखंड का वार्षिक निरीक्षण

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे प्रमोद कुमार ने उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के प्रमुख विभागाध्यक्षों की टीम के साथ दिनांक ०६.०३.२०२२ को प्रयागराज मंडल के कानपुर-टूंडला रेलखंड का वार्षिक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण सुबह से प्रारंभ होकर देर शाम तक चलता रहा । इस दौरान मंडल के कानपुर-टूंडला रेल खंड का निरीक्षण किया गया। कानपुर से प्रारंभ होकर निरीक्षण के दौरान निरीक्षण यान की पिछली खिड़की से ट्रैक का निरीक्षण किया गया, साथ ही मेजर कर्व, गर्डर ब्रिज, लेवल क्रसिंग, गैंग, चार स्टेशनों (रूरा , फफूंद, इटावा एवं टूंडला), यार्ड, टर्न ऑउट, लान्ग वैल्डेड रेल, इलेक्ट्रनिक इंटर्लाकिंग प्रतिष्ठानों, रेलवे कोलोनी, हेल्थ यूनिट, ग्रिड सब स्टेशन, टी आर डी डिपो, स्पीड ट्रायल यात्री सुविधाओं आदि का सघन निरीक्षण किया गया। कानपुर से प्रस्थान कर महाप्रबंधक ने भाऊपुर-मैथा के बीच स्थित समपार सँ ८८ का निरीक्षण किया एवं वहां उपस्थित गैंग से बातचीत की। महाप्रबंधक द्वारा ग्रामीणों से भी वार्तालाप कर स्थानीय समस्याओं एवं सुझाव पर चर्चा की गयी। इसके उपरांत महाप्रबंधक ने रूरा स्टेशन के निकट स्थित मेजर गर्डर ब्रिज सं ३१२ का संरक्षा के दृष्टिगत आंकलन किया। इसी क्रम में रूरा पर यात्री सुविधाओं, परिचालनिक व्यवस्थाओं आदि का बारीकी से निरीक्षण किया। वहां उन्होंने में स्टाफ से संवाद कर उनके संरक्षा संबंधित दृष्टिकोण को परखा एवं उपस्थित माननीय जनप्रतिनिधियों से वार्तालाप कर उनके बहुमूल्य सुझाव प्राप्त किये। प्रमोद कुमार ने इसके उपरांत फफूंद स्टेशन का सघन निरीक्षण किया। स्टेशन पर उपस्थित स्थानीय जनों, व्यापारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों से वार्ता की उनके विचारों और सुझावों का संकलन भी किया गया। फफूंद में नवीनीकृत पार्क का भी औपचारिक उदघाटन किया। महाप्रबंधक ने निरीक्षण के क्रम में आगे बढ़ते हुए इटावा स्टेशन का सघन और विस्तृत ६ निरीक्षण किया। वहां कर्व सं अप, सी सीटीवी नियंत्रण कक्ष, हेल्थ यूनिट, क्रू रनिंग रूम आदि का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के अंतिम सोपान पर पहुंचते हुए टूंडला स्टेशन के निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने स्टेशन पर क्रू लॉबी रनिंग रूम, सफाई व्यवस्था, स्टेशन सर्कुलेटिंग क्षेत्र, दुर्घटना राहत गाड़ी एवं दुर्घटना राहत मेडिकल यान का सघन निरीक्षण कियापनिरीक्षण के क्रम में इटावा एवं टूंडला स्टेशन पर क्रमशः माननीय सांसद इटावा एवं मानानीय सांसद फीरोज़ाबाद ने महाप्रबंधक से रेल संबंधी स्थानीय विकास के विषयों के संबंध में वार्ता की। श्री कुमार ने इस क्षेत्र में रेलवे द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों के संबंध में उपस्थित अधिकारियों के साथ एक संक्षिप्त बैठक की। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे द्वारा ट्रैकमेन व अन्य रेलकर्मियों के साथ इंटरैक्शन किया गया और उन्होंने कर्मियों से उनके कार्य एवं दायित्वों के विषय में उनके ज्ञान को जांचा। डीआरएम श्री मोहित चंद्रा, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एसके सिंह, और पीसी श्री एस.के.मिश्रा महाप्रबंधक के साथ रहे एवं ऑजी आरपीएफ श्री रवन्द्रि वर्मा ने सुरक्षा प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य यान्त्रिक इंजीनियर श्री ए के राणा, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर सतीश कोठारी, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री कमलेश शुक्ल, प्रधान मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री अरुण कुमार, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री अवधेश कुमार ने अपने -अपने विभागों से संबंधित विषयों का विस्तारपूर्वक अवलोकन किया।निरीक्षण पूर्ण होने के उपरान्त उन्होंने मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियन संगठन, ZRUCC सदस्य आदि से वार्ता की तथा उनके द्वारा प्रेषित सुझाव एकत्रित किये

प्रयागराज मण्डल मे बिना टिकट यात्रा करने वालों के विरुद्ध चला अभियान

रे.स.ब्यूरो./संवा। प्रयागराज मण्डल के वाणिज्य विभाग द्वारा बिना टिकट यात्रा, अनियमित टिकट पर यात्रा, अनबुक्ड लगेज, टिकट दलालों पर अंकुश लगाने के दृष्टिगत नियमित चेकिंग अभियान चालाये जाते हैं। इसी क्रम में दिनांक १४.०३.२०२२ की को वरि.मंडल वाणिज्य प्रबन्धक विपिन कुमार सिंह के निर्देश पर गाड़ी संख्या १२४०३ प्रयागराज जयपुर सुपरफास्ट एवं १२८०२ पुरुषोत्तम एक्सप्रेस को चेक किया गया। स्टेशन तथा मंडल की वाणिज्य विभाग की टीम के सन्युक्त अभियान के तहत प्रयागराज तथा कानपुर स्टेशन और दोनों स्टेशनों के मध्य सहायक वाणिज्य प्रबन्धक श्री दिनेश कुमार की अगुवा में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा, अनियमित टिकट पर यात्रा, अनबुक्ड लगेज,की रोकथाम तथा इसके विरुद्ध कार्यवाही करते हुए, कुल ३०१ केस बनाये गये और २०७६२०/-रूपये जुर्माने के रूप में वसूल किया गया। वरि.मंडल वाणिज्य प्रबन्धक के द्वारा निर्देशित टीम में, मुख्य टिकट निरीक्षक/रेड श्री दिवाकर शुक्ला सहित अन्य टिकट चेक्रृकग कर्मचारी शामिल रहे। वहीं स्टेशनों पर अभेद टिकट चेकिंग प्रणाली (FORTRESS CHECK) का प्रयोग कर प्रयागराज जंक्शन और प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर दिनांक १४.०३.२०२२ को कुल ४०० केस पकड़कर २७५६२०/- रू. जुर्माना वसूल किया गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा करने के ४२३ मामले दर्ज कर २ लाख ७४ हजार ५२५/- रूपये जुर्माना लिया गया। वही बिना मास्क के ११ मामले दर्ज कर इन लोंगो से ११००/- रूपये जुर्माना लिया गया। इस प्रकार एक दिन में कुल ४३४ मामलों में २ लाख ७५ हजार ६२०/- रुपये रेल राजस्व की आय प्राप्त है। इस टिकट चेकिंग अभियान में कुल १२ रेल गाड़ियों में जाँच की गई।

इस अभियान में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक विपिन कुमार सह/प्रयागराज, के साथ सहायक मण्डल वाणिज्य प्रबंधक एवं चेकिंग स्टाफ के मौजूद रहे ।

रेल कर्मचारियों के लिए "आर्ट ऑफ लिविंग"ट्रेनिंग आयोजित

रे.स.ब्यू./सूत्र. बिलासपुर। बिलासपुर आर्ट ऑफ लिविग असंख्य, उच्च स्तर के प्रभावशाली शैक्षिक एवम् आत्म विकास कार्यक्रम कराता है और ट्रेनिग के माध्यम से मनुष्य का तनाव को दूर करते हैं। ये ट्रेनिंग सभी लोगों को गहरी और अद्भुत आंतरिक शांति, प्रसन्नता और कल्याण प्रदान करते हैं। रेलवे कर्मचारी भी दैनिक कार्यालयीन कार्यों एवं पारिवारिक कारणों से तनाव ग्रस्त हो जाते है।

ऐसे में कर्माचारियों का मानसिक तनाव दूर करने एवं उनकी कार्य क्षमता बृद्धि के लिए दपूम रेलवे मुख्यालय द्वारा दिनांक १० से १३ मार्च, २०२२ तक रेल क्लब बिलासपुर में "आर्ट ऑफ लिविंग ट्रेनिंग" का आयोजन किया गया । जिसका 'शुरुआत दिनांक १०-०३-२०२२ को हुआ था , जिसमें रेलवे मुख्यालय, निर्माण विभाग एवं बिलासपुर मंडल के कर्माचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। ट्रेनिंग कार्यक्रमों में श्वसन तकनीकें, ध्यान, योग और दैनिक जीवन के लिए व्यावहारिक ज्ञान के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिस से कर्मचारी अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों को तनाव मुक्त होकर उच्च क्षमता से कर पाएंगे एवं अपने पारिवारिक जीवन को भी सफल और शांति पूर्ण तरीके से जीने में सहायक होगी। डॉक्टर अजित मिश्रा, पुजा गोयल एवं रामनरेश द्वारा ट्रेनिंग प्रदान किया जा रहा है, तथा आर. के. अग्रवाल मुख्य का अधिकारी/ प्रशासन के मार्ग दर्शन में डी सी मंडल वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी मुख्यालय ने आयोजन हेतु समन्वयक के रूप में एवं बिलासपुर आर्ट ऑफ लिविंग परिवार के स्वयंसेवकों ने आयोजन को सफल बनाने हेतु सहयोग किया है।

इसी क्रम मे दिनांक २२ से २५ मार्च, २०२२ तक रेलवे अधिकारियों का भी "आर्ट ऑफ लिविंग" ट्रेनिंग का आयोजन किया जाएगा।

सिनेमा हालों में कश्मीर फाइल्स को लेकर धूम

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। सिनेमा हाल में लंबे अंतराल के बाद दर्शकों की भीड़ उमड़ी है। कश्मीर फाइल्स को लेकर शहरियों में जबरदस्त क्रेज है। इस फिल्म ने पुष्पा को भी पीछे छोड़ दिया है। बतादें कि यह फिल्म कश्मीरी पंडितों के पलायन पर आधारित है, जिसकी हर तरफ चर्चा है। प्रयागराज के लोगों में भी इस फिल्म को लेकर काफी क्रेज है। पीवीआर में कश्मीर फाइल्स के रोजाना ११ तथा स्टार वर्ल्ड में सात शो दिखाए जा रहे हैं। शनिवार और रविवार को छुट्टी के दिन दोनों हाल में सभी शो फुल रहे।

रेलवे स्टेशनों के नामों के साथ जुड़ेंगे सरकारी/गैर-सरकारी कंपनियों के लोगो

रे.स.ब्यू./सूत्र. प्रयागराज।गैर किराया राजस्व बढ़ाने हेतु भारतीय रेलवे ने रेलवे स्टेशनों के नाम की को-ब्रांऋडग के लिए गाइडलाइंस जारी की हैं। को-ब्राइंडिंग की नीति के तहत स्टेशन के नाम के साथ सरकारी/गैर-सरकारी कंपनियों/ब्रांड का नाम जोड़ा जाएगा। रेलवे के टिकट, वैबसाइट, उदघोषणाओं और रूट मैप में स्टेशन का वास्तविक नाम ही रहेगा। गाइडलाइंस के अनुसार विज्ञापन देने वाली कंपनी की ब्रांडिंग स्टेशन परिसर में उस हर जगह पर होगी, जहां-जहां स्टेशन का नाम लिखा है। यह नाम स्टेशन के नाम से पहले भी जुड़ सकता है और बाद में भी। को-ब्रांडिंग के बाद स्टेशनों की एंट्री पर और स्टेशन के अंदर भी स्टेशन के नाम के साथ ब्रांड्स के नाम दिखेंगे।

यहां एक बात ध्यान देने की है कि हेरिटेज बिल्डिंग या ऐसे स्टेशन जिनके नाम किसी लोकप्रिय हस्ती के नाम पर रखे गए हैं, उन स्टेशनों पर को - ब्रांडिंग नहीं की जाएगी। को-ब्रांडिंग के वक्त यह ध्यान रखा जाएगा कि को राजनीतिक, धामिक, एल्कोहल वाली या तंबाकू बेचने वाली कंपनी का विज्ञापन ना हो। को-ब्रांडिंग में किसी व्यक्ति के नाम का इस्तेमाल नहीं होगा। को-ब्रांडिंग में ऐसी किसी भी सामग्री का प्रयोग नही किया जाएगा जो भारतीय रेल /राज्य/केंद्र सरकार की सार्वजनिक छवि को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है या भारतीय रेल को अपनी सुविधाओं को संचालित करने की क्षमता या यात्रियों के हितों को संरक्षित करने को प्रभावित करती है। प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री शशिकांत सिंह ने बताया कि इस पॉलिसी का मुख्य उद्देश्य गैर किराया राजस्व को बढ़ाना है। इस पॉलिसी के अंतर्गत होने वाली गतिविधियाँ विज्ञापन के रूप में होंगी एवं स्टेशन का नाम यथावत रहेगा। प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने सभी वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधकों को निर्देशित किया है कि इस पॉलिसी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाय।

Southern Railway Celebrates International Women's Day

Source CPRO/SR: International Women's Day was observed in Southern Railway Headquarters' Office and all the six divisions, workshops and field units with great enthusiasm on 08.03.2022.On the occasion of International Women's day, Dr. S. Kalyani, Chief Gynecologist, Perambur Railway Hospital addressed the women employees of Southern Railway Headquarters about Breast Cancer. About 75 women employees attended the session.Special educative seminar on 'Women Related Health Issues and treatment through Indigenous system of medicine' was conducted by the Healthcare professionals of Perambur Railway Hospital on 23rd February, 2022. Dr P. S. Geetha (Siddha Consultant), Dr P. Mary Immaculate, (Homeopathy) and Dr. A. Naveena (Yoga and Naturopathy) delivered guest lectures on women-health related topics which was well attended by Women Staff of various departments of Southern Railway Headquarters.A Women's Wellness Camp was organised on 5th March 2022 at Headquarters Hospital, Perambur, in which many women Employees participated and benefited.In connection with Women's day Celebration, weeklong programmes such as Essay competition, Quiz competition, Anthakshari, Fun games etc., were also held at Southern Railway Headquarters and Divisions.Out of nearly 12,000 Women Employees in Southern Railway, 29 % women are in the open line comprising Guards, Loco pilots, Points women, Station Masters and Track Maintainers.

रेल विद्युतीकरण की ओर कोर का बढ़ता कदम

रे.स.ब्यू./सूत्र. प्रयागराज।भारतीय रेलवे दिसंबर २०२३ तक पूर्ण विद्युतीकरण के लक्ष्य की ओर सतत आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज की अहमदाबाद परियोजना ने पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल के जटपिपली-चुली (४०.५ RKM) खण्ड का विद्युतीकरण करने के पश्चात दिनांक ११.०३.२०२२ को सीआरएस निरीक्षण का कार्य पूर्ण कर एक और उपलब्धि हासिल किया है। महाप्रबन्धक श्री यशपाल सिंह, ने इस उपलब्धि पर अपनी खुशी व्यक्त की और समय पर निष्पादन के साथ-साथ गुणवत्ता वाले काम के लिए रेलवे विद्युतीकरण अहमदाबाद इकाई की पूरी टीम की सराहना की।

रेल कौशल विकास योजना के अंतर्गत पूर्व मध्य रेल के प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षित प्रशिक्षणार्थियों को मिला प्रमाण पत्र

रे.स.ब्यू./सूत्र. हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल द्वारा द्वारा रेल कौशल विकास योजना के अन्तर्गत युवाओं को उद्योग आधारित प्रशिक्षण प्रदान कर कुशल एवं रोजगार के लिए सक्षम बनाने के प्रयास के तहत प्रशिक्षण के बाद पूर्व मध्य रेल के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों द्वारा दिनांक ०७ मार्च एवं ०६ मार्च को ६२ प्रशिक्षणाथियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के विद्युत कर्षण प्रशिक्षण केंद्र में विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले १८ प्रशिक्षणाथियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया ।

इसी क्रम में सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत में प्रशिक्षण अवधि की समाप्ति के उपरांत मशीनिस्ट तथा वेल्डर कैटोगरी के क्रमशः २०-२० प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया। साथ ही पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, समस्तीपुर तथा यॉत्रिक कारखाना समस्तीपुर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले १५ तथा सिगनल एवं दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र, दानापुर में १६ प्रशिक्षणाथियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया । प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण पूरा होने पर काफी संतोष व्यक्त किया । उन्होंने ज्ञानवर्द्धन और आत्मविश्वास को बढ़ाने में इस प्रशिक्षण को काफी उपयोगी पाया है। विदित हो कि युवाओं में कौशल विकास के लिए भारतीय रेल में ''रेल कौशल विकास योजना'' का शुभारंभ दिनांक १७.०६.२०२१ को माननीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रोद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया था। रेल कौशल विकास योजना आजादी के अमृत महोत्सव के ७५वें साल के हिस्से के रूप में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत् भारतीय रेल द्वारा अपनाए गए कौशल भारत मिशन का एक अभिन्न अंग है। इस पहल का मूल उद्देश्य युवाओं को विभिन्न ट्रेडों में गुणात्मक सुधार लाने के लिए प्रशिक्षण कौशल प्रदान करना है। यह कौशल युवाओं की रोजगार क्षमता में सुधार और उसे उन्नत करेगा। रेल कौशल विकास योजना के अन्तर्गत भारतीय रेल के १७ जोन एवं ०७ उत्पादन इकाइयों के ७५ प्रशिक्षण केंद्रों में १८ कार्य दिवस में १०० घंटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।

इन ७५ प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से वर्ष २०२४ तक ५० हजार युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है । १८ से ३५ आयुवर्ग के युवा जो १०वीं कक्षा पास कर चुके हैं, योग्यता के आधार पर निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। यह योजना युवाओं के रोजगार क्षमता में सुधार तथा स्वरोजगार के इच्छुक युवाओं के कौशल को उन्नत करेगा ।

रेल कौशल विकास योजना कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षुओं का चयन खुले विज्ञापन और पारदर्श शॉर्ट-लिस्टिंग तंत्र के माध्यम से किया जाता है।

स्क्रैप निस्तारण द्वारा लक्ष्य से अधिक राजस्व अर्जन

रे.स.ब्यू./सूत्र. झाँसी। वित्तीय वर्ष २०२१-२२ में झाँसी मंडल द्वारा अब तक स्क्रैप सामग्री का निस्तारण कर रुपये ५५.२७ करोड़ का राजस्व अजित किया है। जबकि इस वित्तीय वर्ष के दौरान झाँसी मंडल को स्क्रैप निस्तारण द्वारा रुपये ५० करोड़ का राजस्व अजित करने का लक्ष्य दिया गया था, यह राशि निर्धारित लक्ष्य से १० से अधिक है । इस प्रकार झाँसी मंडल अपने इस वित्तीय वर्ष २०२१-२२ में स्क्रैप सामग्री निस्तारण के निर्धारित लक्ष्य को वर्तमान वित्तीय वर्ष पूर्ण होने से २३ दिन पूर्व ही लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। जिससे इसी वित्तीय वर्ष के दौरान स्क्रैप निस्तारण के माध्यम से अजित राजस्व में भी बढ़ोत्तरी होगी।यह उपलब्धि मंडल रेल प्रबंधक श्री आशुतोष के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सभी विभागों के बेहतर समन्वय के फलस्वरूप लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिल रही है ।

सम्पादकीय

घोषणाएंः भ्रष्टाचार के विरुद्ध

जिस तरह पंजाब के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद भगवंत मान ने राज्य में भ्रष्टाचार पर काबू पाने के लिए कुछ नई घोषणाएं की हैं, अगर धरातल पर उनका सचमुच असर दिखा, तो यह उनकी बड़ी उपलब्धि होगी। पंजाब में भ्रष्ट लोकसेवकों की नेताओं के साथ मिलीभगत के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं और चुनावों में भी यह एक बड़ा मुद्दा रहा है। करीब तीन साल पहले एक स्वतंत्र सर्वेक्षण में यह तथ्य सामने आया था कि देश के सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार से ग्रस्त राज्यों में पंजाब का स्थान छठा है। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई आम आदमी पार्टी का शुरू से एक अहम एजंडा रहा है और अपनी स्थापना के बाद दिल्ली या अपनी चुनावी भागीदारी वाले अन्य राज्यों में उसने इसे ही प्रमुख मुद्दा बनाया। खासतौर पर दिल्ली में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर ही इसने विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की और बाद के दिनों में इस समस्या पर बहुत हद तक काबू पाने का दावा भी किया। खुद मान ने राज्य की जनता से कहा है कि अगर उन्हें कहीं भी सरकारी महकमों में कर्मचारियों या अधिकारियों के भ्रष्ट आचरण का सामना करना पड़ता है तो वे सीधे मुख्यमंत्री के दिए गए नंबर पर उसके आडियो या वीडियो सबूत भेजें। इसके बाद जरूरी कार्रवाई की जाएगी। इस मुद्दे के प्रति आम लोगों का आकर्षण और इसके जरिए मिली चुनावी जीत से ही उत्साहित आम आदमी पार्टी ने पंजाब में भी इस मसले पर प्रयोग करने की मंशा जाहिर की है। निश्चित तौर पर इस तरह की घोषणा से पंजाब में एक बड़ा संदेश गया है कि राज्य की नई सरकार सत्ता तंत्र में गहरे पैठी एक बेहद गंभीर समस्या से निपटने की बात कर रही है।

मध्य रेल का कल्याण अस्पताल राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-२०२१ से सम्मानित

साभारः मध्य रेल के कल्याण रेलवे अस्पताल को अस्पताल क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार २०२१ से सम्मानित किया गया है। मध्य रेल के महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि रेलवे, ऊर्जा संरक्षण की दिशा में लगातार प्रयासरत् है। राष्ट्रीय स्तर पर यह पुरस्कार अस्पताल को अधिक ऊर्जा कुशल बनाने के लिए मध्य रेल द्वारा किए गए प्रयासों को दर्शाता है। मध्य रेल नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपना यह अभियान जारी रखेगा।

> यदि मनुष्य कुछ सीखना चाहे, तो उसकी हर भूल उसे कुछ शिक्षा दे सकती है।
>
> महात्मा गांधी

डॉ. कफील बने सपा से एमएलसी प्रत्याशी

रे.स.ब्यू./सूत्र। बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर मे ऑक्सीजन कांड में घिरने वाले डॉ. कफील खान को सपा ने विधान परिषद का प्रत्याशी बनाया है।बतादें कि ऑक्सीजन कांड के बाद से ही कफील बर्खास्त चल रहे हैं। विधान परिषद स्थानीय निकाय प्राधिकारी क्षेत्र की ३६ सीटों में से डॉ. कफील को देवरिया क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है। विधान परिषद प्राधिकारी क्षेत्र के चुनाव में सपा ने कई नए चेहरों को उतारा है तो कई निवर्तमान एमएलसी ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। ऐसे इन सीटों पर नए दावेदार को उतारने की तैयारी है। जिन ३६ सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, उनमें से ३३ सीट पर सपा का कब्जा रहा है। सात पार्टी छोड़कर भाजपा में जा चुके हैं। सपा ने बलिया से समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गिरी को मैदान में उतारा है। यहां से सपा के टिकट पर एमएलसी रहे रविशंकर सिंह पप्पू अब भाजपा में हैं। जौनपुर से डॉ. मनोज यादव, श्रावस्ती-बहराइच से अमर सिंह, आजमगढ़ से राकेश गुड्डू को मैदान में उतारा गया है। समाचार लिखे जाने तक पार्टी की ओर से इन उम्मीदवारों की अधिकृत सूचना जारी नहीं की गई है, लेकिन दावेदारों ने बताया कि उन्हें शीर्ष नेतृत्व ने हरी झंडी दे दी है।

क्रांतिकारी की मूर्तियां सुनाएंगी उनसे जुड़ी वीरगाथा

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में १८५७ से १९४७ के संघर्ष पर आधारित देश की पहली इंटरेक्टिव आजाद गैलरी की नई डिजाइन तैयार की गई है। एनसीएसएम की तरफ से बनाई गई इस डिजाइन में अब सेंट्रल हॉल को हटा दिया गया है। इस दीर्घा का आधुनिकीकरण किया जाएगा। जिसके बाद जिस दीर्घा में जिस प्रतिमा के पास जाएंगे, उससे जुड़ी कहानियां वह खुद सुनाएगी। इसके निर्माण पर १० करोड़ रुपये खर्च होंगे।

रेलवे मे हुआ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

रे.स.ब्यू./सूत्र. झाँसी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दिनांकः०८.०३.२२ को झाँसी मंडल में विभिन्न आयोजित किये गये। आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम गाड़ी सं-०११०८ बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस गाडी का झाँसी से ग्वालियर के मध्य संचालन महिला कर्मचारियों द्वारा किया गया। महिला क्रू में लोको पायलट श्रीमती पूनम शाक्य एवं वरिष्ठ सहायक लोको पायलट श्रीमती भारती श्रीवास्तव शामिल रही, उप स्टेशन प्रबन्धक श्रीमती पूजा शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर गाडी झाँसी से ग्वालियर की और रवाना किया गया। ट्रैन मैनजर शिवानी वर्मा रही। इसके अलावा चेकिंग स्टाफ भी महिला कम रहा। इस अवसर पर महिला कमियों को प्रोत्साहित करने हेतु मण्डल रेल प्रबन्धक श्री आशुतोष सहित अपर मण्डल रेल प्रबन्धक(तकनीकी) श्री अमित सेंगर सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रमों की श्रृंखला में मंडल रेल प्रबंधक में कार्यालय में रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य लाभ हेतु नव संस्थापित ओपन जिम का उद्घाटन महिला कल्याण संगठन, झाँसी मंडल की अध्यक्षा श्रीमती रेनू गौतम द्वारा मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया इसके उपरान्त अन्य कार्यक्रम सीनियर इंस्टिट्यूट, झाँसी में आयोजित किये गए। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे झांसी मण्डल में महिलाओं के लिए रंगोली प्रतियोगिता, रन फार फन एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता रही महिला रेल कर्मचरियों को आज सीनियर रेलवे इंस्टीटयूट, में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रेनू गौतम, अध्यक्षा, महिला कल्याण संगठन एवं विशिष्ट अतिथि श्री आशुतोष मंडल रेल प्रबन्धक महोदय, उपस्थित रेलवे अधिकारियों, कर्मचारी हित निधि के पदाधिकारियों यूनियन एसोसिएशन के पदाधिकारियों, महिला कल्याण संगठन की पदाधिकारियों का स्वागत वरिष्ठ मण्डल कामिंक अधिकारी श्री राजेश गुप्ता एवं श्रीमती अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम की प्रारंभ दीप प्रज्वजन से किया गया, जिसके उपरान्त श्री राजेश कुमार गुप्ता, वरिष्ठ मण्डल कामिंक अधिकारी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि यह दिवस अंतराष्ट्रीय स्तर मनाया जाता है, जिसका मुख्य उदेश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक कराना है।हमारे भारतीय रेलवे में लगभग १३ लाख कर्मचारियों में से लगभग ६२ हजार महिला कर्मचारी कार्यरत है। रेलवे द्वारा महिला कर्मचारियों के कल्याण पर पर्याप्त ध्यान दिया जाता है, महिलाओं के लिये विभिन्न कल्याणकारी कार्य कर्मचारी हित निधि तथा महिला कल्याण संगठन द्वारा किये जाते है। इसके अतिरिक्त मातृत्व अवकाश, चाइल्ड केयर लीव आदि भी महिला का विशेष ध्यान रख कर तुरन्त स्वीकृत की जाती है, जिससे उनके कार्य में को बाधा न हो। इसके उपरान्त सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम में रेलवे के प्रत्येक विभाग में उत्कृट कार्य करने वाली महिला रेल कर्मचारियों को मण्डल रेल प्रबन्धक महोदय तथा अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती रेनू गौतम, अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन कहा कि हमारा रेल परिवार महिलाओं को सदैव कल्याणकारी कार्य करने का अवसर प्रदान करता है। महिला संगठन के माध्यम से हम विभिन्न गतिविधियों तथा विकासशील कार्यक्रमों को संचालित करते हैं। मण्डल रेल प्रबन्धक महोदय द्वारा कहा गया कि भारत में हमेशा से महिलायें पूज्यनीय है, हमे महिलाओं को सम्मान करना चाहिए।कार्यक्रम में अपर मण्डल रेल प्रबन्धक महोदय श्री अमित सेंगर, सभी रेलवे शाखा अधिकारी,महिला कल्याण संगठन की पदाधिकारी गण, कर्मचारी हित निधि के पदाधिकारी एवं झाँसी मण्डल की महिला कर्मचारी उपस्थित रही है। कार्यक्रम के अन्त में मण्डल कामिक अधिकारी श्री जी० पी० मिश्रा द्वारा उपस्थित सभी लोगो का आभार व्यक्त किया।

शत-प्रतिशत विद्युतीकरण के लक्ष्य को, आगे बढ़ता-कोर

साभारःकेंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज द्वारा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना, ब्रॉड गेज रूटों का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए कोर की लखनऊ एवं चेन्नई परियोजना ने उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल के खजुराहो-ईशानगर (५६.७५२RKM) सेक्शन का तथा दक्षिण रेलवे के मदुरै मण्डल के विरुदुनगर- मनमादुर (६३.२२RKM),पलानी-पलक्कड (११६.४०RKM) खण्ड का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण करने के उपरान्त दिनांक ०७.०३.२०२२ को सीआरएस निरीक्षण का कार्य सफलता पूर्वक करा कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल किया है। महोबा-खजुराहो-ईशानगर-उदयपुरा रेल मार्ग के महोबा-खजुराहो रेल खण्ड का विद्युतीकरण पूर्व में किया जा चुका है एवं खजुराहो-ईशानगर का विद्युतीकरण कार्य ०७.०३.२०२२ को पूर्ण कर लिया गया है। ईशानगर-उदयपुरा खण्ड का विद्युतीकरण होने के उपरान्त सभी डीजल इंजन वाली रेल गाड़ियों को विद्युत इंजन द्वारा चलाया जा सकेगा एवं महोबा-खजुराहो से उदयपुरा एवं ललितपुर तक सभी रेल गाड़ियों के इंजन परिवर्तन से बचा जा सकेगा। खजुराहो एक एतिहासिक स्थल है जहाँ पर पर्यटक मंदिरों के दर्शन एवं भ्रमण हेतु आते रहते है। खजुराहो- ईशानगर के विद्युतीकृत होने से महोबा से छतरपुर के बीच मेमू ट्रेन चल सकेंगी जिससे यात्रियों को इसका बहुत लाभ होगा।

मनमादुर- विरुदुनगर रेल खण्ड के विद्युतीकरण होने से मदुरै-मनियाच्छी जंक्शन के बीच रेल यातायात में कंजेशन में कमी आएगी। पलनि-पालक्कड टाउन के विद्युतीकरण होने से दिडुक्कल-पालक्कड टाउन रेल मार्ग पूर्ण रूप से विद्युतीकृत हो गया है। पलनि रेलवे स्टेशन पर प्रति माह तीन माल गाड़ियों की लोडिंग होती है तथा पोल्लाच्चि रेलवे स्टेशन पर प्रति माह चार माल गाड़ियों की अनलोडिंग होती है।

इस खण्ड के विद्युतीकरण होने से पालक्कड टाउन एवं पलनि के बीच कर्शण परिवर्तन से बचा जा सकता है, जिससे परिचालन समय में काफी बचत होगी और साथ ही परिचालन में तीव्रता भी आयेगी। भारतीय रेल को स्वच्छ पर्यावरण के साथ प्रदूषण रहित एवं आयातित ईंधन पर निर्भरता को कम करते हुए हरित रेल बनाने की राह पर केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, अहम भूमिका निभा रहा है।

इसी महत्वपूर्ण कड़ी में यह एक मील का पत्थर है। कोर के महाप्रबन्धक यशपाल सिंह, ने लखनऊ एवं चेन्नई परियोजना की इस उपलब्धि पर सभी संबन्धित को बधाई दी एवं खुशी जताते हुए कहा कि कोर रेल लाइनों के पूर्ण विद्युतीकरण करने के लक्ष्य की ओर निरन्तर अग्रसर हैं, उसी दिशा में यह एक और महत्वपूर्ण कदम है।

शशिकांत सिंह बने उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक

साभारः भारतीय रेल यातायात सेवा के १९६० बैच के अधिकारी शशिकांत सिंह ने प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/ उत्तर मध्य रेलवे का कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व वह मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक/खानपान और यात्री सेवा, उत्तर मध्य रेलवे के रूप में कार्यरत थे। प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे का पद श्री एस. कपिल के २८/०२/२२ को सेवानिवृत्त होने के कारण रिक्त हुआ था। कार्यभार ग्रहण करने के बाद सिंह ने कहा कि उनकी प्राथमिकता यात्री सेवाओं में वृद्धि, व्यापारियों और ग्राहकों को रेलवे के लिए नहीं लोडिंग को आकृषत करने और इस तरह रेलवे के राजस्व में वृद्धि करने की होगी। शशिकांत सिंह भारतीय रेलवे के तेज तर्रार अधिकारियों में से एक हैं जिनको रेलवे में परिचालन, सुरक्षा और वाणिज्यिक विभागों और सामान्य प्रशासन में काम करने का व्यापक अनुभव है।उन्होंने पूर्व, दक्षिण पूर्व और मध्य रेलवे में विभिन्न पदों पर काम किया है। उनका उल्लेखनीय कार्यकाल मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) खुर्दा रोड, ईस्ट कोस्ट रेलवे का रहा है।श्री सिंह ने इससे पहले उत्तर मध्य रेलवे में मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक/माल ढुलाई विपणन और मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक/सी एंड पीएस के रूप में कार्य किया है। उन्होंने बैकोनी बिजनेस स्कूल, मिलान, इटली में महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है।

"जीवन रक्षा" मिशन के तहत आरपीएफ कार्मिकों ने ६२ लोगों की बचाई जान

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। राष्ट्र और उसके नागरिकों की सेवा में रेलवे सुरक्षा बल के समर्पण को तीन शब्दों- सुरक्षा, सतर्कता, सेवा के रूप में बताया जा सकता है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को रेलवे संपत्ति, यात्री क्षेत्र, यात्रियों और उससे जुड़े मामलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे जरूरतमंद यात्रियों को सहायता भी प्रदान करने के साथ-साथ देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाली महिलाओं और बच्चों का बचाव भी करते हैं। संकटग्रस्त मानव जीवन को बचाना भले हमारा आदेशित कर्तव्य नही हो, लेकिन यह प्रत्येक नागरिक के लिए परमात्मा द्वारा निर्धारित एक कर्तव्य है। "वदी में नागरिक" होने के नाते हमारे कामिक अन्य लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर कर्तव्य की पुकार से भी आगे जाते हैं। ऐसी घटनाएं होती हैं जिनमें यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने/उतरने का प्रयास करते हैं और ट्रेन के पहियों के नीचे आने के जोखिम के साथ फिसल जाते हैं। मिशन "जीवन रक्षा" के तहत आरपीएफ कामिकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर फरवरी २०२२ के दौरान ६२ (३५ पुरुष + २७ महिला) और २०२२ के दौरान ११४ लोगों की जान बचाई।रेलवे के संपर्क में आने वाले संकटग्रस्त बच्चों के शोषण या तस्करी की संभावना अधिक होती है। शोषण के चरण से पहले पीड़ित बच्चे का परिवहन होता है। एक बार जब बच्चे का शोषण हो जाता है, तो पुनर्वास का कोई भी उपाय, चाहे वह कितना भी प्रभावी क्यों न हो, शोषण के कारण उसके मानस पर लगे निशानों को मिटा नही सकता है। शोषणकर्ताओं के हाथों में पड़ने से पहले बच्चे को सुरक्षित करने के लिए आरपीएफ रणनीतिक रूप से तैनात है। बाल संरक्षण और बचाव के लिए आरपीएफ की रणनीतिक स्थिति का लाभ उठाने के लिए, हमने "ऑपरेशन नन्हे फरिस्ते"शुरू किया है। आरपीएफ उन बच्चों की पहचान करने और उन्हें बचाने का नेक कार्य करता है जिन्हें देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता होती है जो विभिन्न कारणों से अपने परिवार से खो जाते हैं या अलग हो जाते हैं। फरवरी २०२२ के महीने के दौरान, देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले भारतीय रेलवे के संपर्क में आए ११५६ बच्चों (७८७ लड़के + ३६९ लड़कियां) को गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से समुचित कार्रवाई द्वारा बचाव किया गया। आरपीएफ ने २०२२ में १४८८ लड़कों और ७१३ लड़कियों (कुल २२०१ नाबालिगों) का बचाव किया है।आरपीएफ कामिक, विशेष रूप से महिला आरपीएफ कार्मिक, जो फिलहाल बल में लगभग ९ प्रतिशत हैं, "ऑपरेशन मातृशक्ति" के तहत गर्भवती महिलाओं की बढ़-चढ़कर मदद करती हैं, जो अपनी ट्रेन यात्र के दौरान प्रसव पीड़ा से गुजरती हैं और शिशु को जन्म देती हैं। फरवरी-२०२२ के महीने में महिला आरपीएफ कार्मिकों ने ०९ ऐसी महिला यात्रियों को सहायता प्रदान की और उनके बच्चों को इस खूबसूरत दुनिया में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमने २०२२ में ऐसे १६ मामलों में मदद की है।कई यात्री ट्रेन पकड़ने या स्टेशन से निकलने की हड़बड़ी में अपना सारा सामान ले जाना भूल जाते हैं। आरपीएफ कार्मिक ऐसे सामान को सुरक्षित रखने में मदद करते हैं और उन्हें "ऑपरेशन अमानत" के तहत सही मालिकों तक पहुंचाते हैं। आरपीएफ ने फरवरी २०२२ में इस ऑपरेशन के तहत १७४६ यात्रियों को २.६३ करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सामान वापस दिलाए। २०२२ में, हमने उनके असली मालिकों को ५.७४ करोड़ रुपये का सामान वापस कर दिया है।नारकोटिक्स सामग्री को अवैध रूप से एक जगह से दूसरी जगह ले जाना राष्ट्र के खिलाफ एक गंभीर अपराध है। हमने भारतीय रेलवे को नशीले पदार्थों की तस्करी का अड्डा नही बनने देने के लिए हर संभव प्रयास करने का संकल्प लिया है। रेल के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, आरपीएफ ने "ऑपरेशन नार्कोस" शुरू किया है। इस ऑपरेशन के तहत, आरपीएफ ने फरवरी २०२२ माह के दौरान ६७ व्यक्तियों की गिरफ्तारी के साथ २.२८ करोड़ रुपये के नारकोटिक उत्पादों को बरामद किया है। वर्ष २०२२ में २४८ व्यक्तियों की गिरफ्तारी के साथ जब्ती का आंकड़ा ३.८२ करोड़ रुपये को पार कर गया है।आरपीएफ कार्मिकों का मानना है कि व्यापक संपर्क वाले क्षेत्रों में उनकी तैनाती को लेकर उनके लिए आवश्यक सॉफ्ट स्किल्स और सेवा उन्मुखीकरण होना अनिवार्य है। यात्रियों की प्रतिक्रिया के आधार पर, हम देश और उसके नागरिकों को बेहतर मदद करने के लिए अपने कौशल और निष्पादन को लगातार बेहतर तथा उन्नत करने में जुटे हैं।

New Principal Chief Personnel Officer for Southern Railway

Source CPRO/SR: K.Harikrishnan, an Officer of 1990 batch of Indian Railway Personnel Service (IRPS) took over as the new Principal Chief Personnel Officer of Southern Railway on 4th March 2022. Prior to this assignment, he served as the Chief Personnel Officer, South Western Railway , Hubli.During his three decades of Railway service, Shri K. Harikrishnan has served in various Divisions and Units of Southern Railway, Integral Coach Factory, South Western Railway and Rail Wheel Factory, Yelhanka. He had also served as Director in Railway Board, New Delhi. During his tenure at South Western Railway, the Personnel Department of South Western Railway received the Railway Minister's Shield for the best performance. He has undergone Management training in Indian Institute of Management, Bangalore, Syracuse University/USA and Indian School of Business, Hyderabad. He has obtained his Post graduate Diploma in Cyber Law from National Law School of India University, Bangalore. Shri K. Harikrishnan has succeeded Smt. Aruna Nayar, IRPS who has been posted as Principal Executive Director/Staff/Railway Board, New Delhi.

पूर्व मध्य रेल को रिकॉर्ड राजस्व प्राप्त

रे.स.ब्यू./सूत्र. हाजीपुर। माल लदान में कीर्तिमान स्थापित करने के बाद पूर्व मध्य रेल द्वारा एक और उपलब्धि हासिल करते हुए चालू वित्त वर्ष २०२१-२२ के ०५ मार्च तक यात्री यातायात, माल ढुलाई से प्राप्त होने वाला राजस्व रिकॉर्ड वृद्धि के साथ २० हजार करोड़ को पार कर गया है।

यह रेल राजस्व पूर्व मध्य रेल को अब तक के किसी भी वित्त वर्ष में प्राप्त रेल राजस्व की तुलना में सर्वाधिक है। पिछले वित्त वर्ष अर्थात २०२०-२१ में पूर्व मध्य रेल को १४,५०७.७६ करोड़ का रेल राजस्व प्राप्त हुआ था । वहीं चालू वित्त वर्ष २०२१-२२ के ०५ मार्च तक २०,०३४.३८ करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो वर्ष २०२०-२१ की तुलना में ५५२६.६२ करोड़ रूपए अधिक है इस प्रकार पिछले वित्त वर्ष की तुलना में हुई राजस्व वृद्धि के मामले में पूर्व मध्य रेल भारतीय रेल में प्रथम स्थान पर रहा। विदित हो कि पूर्व मध्य रेल द्वारा माल लदान के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए चालू वित्तीय वर्ष २०२१-२२ के फरवरी माह तक १५०.०७ मीलियन टन माल का लदान किया गया था । यह पूर्व मध्य रेल द्वारा किसी एक वित्तीय वर्ष में किये गये माल लदान की तुलना में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसके साथ ही पूर्व मध्य रेल को किसी एक वित्त वर्ष में १५० मिलियन टन या इससे अधिक माल का लदान करने वाले भारतीय रेल के ०३ अन्य क्षेत्रीय रेलों के विशिष्ट क्लब में शामिल होने का गौरव प्राप्त है।

विज्ञान संचार पर सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर का राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। भारत के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. के. विजयराघवन ने १० मार्च २०२२ को सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (एनआईएससीपीआर) द्वारा आयोजित विज्ञान संचार पर राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे लक्षित दर्शकों के रूप में राजनीतिक नेताओं, नौकरशाहों, वैज्ञानिकों, छात्रें और जनता से एक बार में संवाद करना एक बड़ी चुनौती है। इन दिनों बेशुमार जानकारी उपलब्ध है, लेकिन इसमें से कचरे को दूर करने की क्षमता के साथ एक केंद्रित संचार एक महत्वपूर्ण चुनौती है। दुरप्रचार और गलत सूचना का संचार करना आसान है क्योंकि इसकी कोई विश्वसनीयता नही है। लेकिन सही और वैज्ञानिक जानकारी प्रसारित करना एक बड़ा मुद्दा है। उदाहरण के लिए, नमक, वसा और चीनी का आदी होना बहुत आसान है, लेकिन स्वस्थ आहार में इन तीनों की अनुपस्थिति को लेना बहुत मुश्किल है। सेमिनार का आयोजन सीएसआईआर-एनपीएल ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में हाइब्रिड मोड में किया गया और इसका केंद्रीय विषय "विज्ञान संचार का पोषण- विज्ञान संचारकों को प्रेरित करना" था। इस सेमिनार में विज्ञान संचार के प्रयासों को मजबूत करने के लिए अपने विचारों को साझा करने के लिए विज्ञान संचार में जुड़े लगभग १५ संस्थान एक मंच पर एक साथ आए। अपने अध्यक्षीय संबोधन में, सीएसआईआर के महानिदेशक डॉ शेखर सी. मांडे ने जोर देकर कहा कि हम सभी को बेहतर संचारक बनने की आवश्यकता है। हमें बेहतर संचारक बनने के लिए अच्छे संचार कौशल और इतिहास के ज्ञान में सुधार करने की जरूरत है।

पुणे हवाई अड्डे को मिलेगा अधिक क्षमता के साथ नया टर्मिनल भवन

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के पुणे हवाई अड्डे पर अधिक क्षमता और विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ नया एकीकृत टमिनल भवन बनाया जा रहा है। इससे व्यस्त समय में भीड़-भाड़ में कमी आएगी। एएआई ४७५ करोड़ रुपये की लागत से टमिनल बिऋल्डग बना रहा है। बिल्डिंग का ५५ प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है और निर्माण कार्य अगस्त, २०२३ तक पूरा हो जाएगा। वर्तमान टमिनल बिल्डिंग का कुल क्षेत्र २२,३०० वर्ग मीटर है और यह टमिनल बिल्डिंग प्रति वर्ष ७ मिलियन एमपीपीए का प्रबंधन करता है। एएआई ५,००,००० वर्ग फीट से अधिक क्षेत्र में आत्याधुनिक नया टमिनल बना रहा है।

नया टमिनल वर्तमान टमिनल से जुड़ा होगा और इसका कुल क्षेत्र ७,५०,००० वर्ग फीट होगा और १६ एमपीपीए यात्रियों का प्रबंधन करेगा। शानदार नया एकीकृत टमिनल भवन (पुराना भवन सहित) केन्द्रीय रूप से वातानूकुलित होगा और इसमें १० पैसेंजर बोडिंग ब्रिज, ७२ चेक-इन काउंटर तथा इन लाइन बैगेज हेंडलिंग प्रणाली होगी।

नया भवन ४ स्टार गृह रेटिंग के साथ ऊर्जा सक्षम भवन होगा। यात्रियों के जल-पान/मनोरंजन के लिए खाद्य और पेय पदार्थों तथा रिटेल आउटलेट के लिए ३६,००० वर्ग फीट स्थान सुरक्षित रखा गया है। वर्तमान भवन के सिटी साइड में वि'ाल मंडप होगा और बिल्डिंग सिटी साइड से शानदार दिखेगी।

नए टमिनल बिल्डिंग के लिए परियोजना का मजबूत लक्ष्य पुराने तथा नए के बीच एकता और निरंतरता के लिए खोज है। ३६० मीटर की लंबाई में फैला बरामदा अग्र भाग से जुड़ा होगा और यह यात्रियों को गर्मी और बरसात से न केवल सुरक्षित रखेगा, बल्कि इसमें पुणे तथा महाराष्ट्र की समृद्धि, सामाजिक-ऐतिहासिक तथा कलात्मक संस्कृति दिखाई जाएगी। विशाल बरामदे के नीचे सार्वजनिक क्षेत्र में सुंदर मराठा मेहराब तथा स्थानीय काले पत्थर की फिनिश के साथ सजाए गए स्तंभ होंगे, जो महराष्ट्र के आस-पास की अधिकतर विरासत संरचनाओं में देखा जाता है।

आगे के प्रांगण में उद्यान पुणे के सर्वाधिक चिन्हित लैंडमार्क-शनिवार वाडा गार्डन से प्रेरित है। पाकिंग के समस्या के स्थायी समाधान के लिए मल्टीलेवल कार पार्क (ग्राउंड+तीन मंजिल तथा दो बेसमेंट फ्लोर) १२० करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है और इसके जुलाई, २०२२ तक चालू हो जाने की संभावना है।

मल्टीलेवल कार पाकिंग में १०२४ कारों की पाकिंग क्षमता होगी और स्काई ब्रिज के साथ यह वर्तमान बिल्डिंग के प्रस्थान क्षेत्र से जुड़ा होगा। इसमें सीढ़ी, स्केलेटर, एलिवेटरों का प्रावधान होगा। प्रधानमंत्री ने हाल में पुणे शहर के लिए आधुनिक संरचना और परिवहन सुविधाओं के महत्व को रेखांकित किया है।

शिक्षा, अनुसंधान और विकास, आईटी तथा ऑटोमोबिल के क्षेत्र में पुणे की अपनी पहचान है। पुणे हवाई अड्डे का नया टमिनल भवन पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत अवसंरचनामुखी विकास के उनके विज़न में जुड़ेगा।

हमारा लक्ष्य संरक्षा सुरक्षा एवं समय पालन

महाप्रबंधक, पूर्व मध्य रेल, अनुपम शर्मा ने किया समस्तीपुर मंडल का वार्षिक निरीक्षण

रे.स.ब्यू./सूत्र. हाजीपुर। महाप्रबंधक, पूर्व मध्य रेल, अनुपम शर्मा ने दिनांक१५.०३.२०२२ को समस्तीपुर मण्डल के वाशिक निरीक्षण के क्रम में नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी रेलखंड के मध्य स्थित छोटे-बड़े स्टेशनों, रेल पुलों, रेलवे ट्रैक, समपार फाटक, स्टेशन परिसर का गहन निरीक्षण किया गया एवं साफ सफाई का जायजा लिया गया। महाप्रबंधक द्वारा स्वास्थ्य केंद्र, नरकटियागंज में हॉस्पिटल मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम (HIMS) का उद्घाटन भी किया गया ।

निरीक्षण के दौरान मुख्यालय के विभागाध्यक्ष एवं समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री आलोक अग्रवाल सहित अन्य उच्चाधिकारीगण भी उपस्थित थे । पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री अनुपम शर्मा सर्वप्रथम नरकटियागंज स्टेशन पहुंचे जहां उन्होंने सेंट्रल पैनल भवन, रनिंग रूम, क्रू-लॉबी, विस्तारित फुट ओवर ब्रिज, बुकिंग आफिस, सर्कुलेटिंग एरिया, चिल्ड्रेन पार्क, रेलवे कॉलोनी का निरीक्षण किया उन्होंने नरकटियागंज स्टेशन पर यूनियन/एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ मुलाकात भी की। निरीक्षण के दौरान नरकटियागंज स्टेशन पर वाल्मीकिनगर के माननीय सांसद श्री सुनील कुमार से महाप्रबंधक महोदय ने मुलाकात की । मुलाकात के दौरान माननीय सांसद ने यात्री सुविधा एवं रेल विकास सहित जन आकांक्षाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों के संबंध में महाप्रबंधक महोदय को बहुमूल्य सुझाव दिये ।

इसके उपरांत महाप्रबंधक महोदय द्वारा नरकटियागंज और गोखुला के बीच किमी. २२५/५-६ पर स्थित वृहद पुल संख्या ६६, गोखुला और मर्जदवा के बीच किमी २१८/१-२ पर स्थित समपार संख्या ५६, किमी २१७/१-२ पर स्थित लघु पुल संख्या ८३ तथ कर्व संख्या २८ का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ब्रिज के नट बोल्ट एवं पेण्डाल क्लिपों के रख-रखाव का विशेष रूप से जांच किया। महाप्रबंधक महोदय द्वारा लघु पुल संख्या ८३ के पास कार्यरत गैंग यूनिट नं. ३५ के सदस्यों से संरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलूओं यथा संरक्षा उपकरणों, ट्रैक अनुरक्षण करने एवं आपातकालीन स्थितियों में संरक्षा उपायों की जानकारी ली और उनके संरक्षा ज्ञान पर संतोष व्यक्त किया तथा संरक्षा के प्रति उनके उत्साहवर्द्धन हेतु गैंग के सभी सदस्यों को सामूहिक रूप से पुरस्कृत किया गया।

इसके साथ ही महाप्रबंधक महोदय ने भेलवा यार्ड में प्वाइंट संख्या ५५ बी, भेलवा और रक्सौल स्टेशनों के मध्य किमी १६४/५-६ पर स्थित समपार संख्या ३६ का गहन निरीक्षण भी किया ।महाप्रबंधक महोदय द्वारा निरीक्षण के क्रम में रक्सौल स्टेशन का निरीक्षण किया गया जहां उन्होंने गुड्स शेड, कोचिंग डिपो, रनिंग रूम, सर्कुलेटिंग एरिया एवं स्टेशन पर उपलब्ध अन्य यात्री सुविधाओं का व्यापक निरीक्षण किया। महाप्रबंधक महोदय द्वारा रक्सौल स्टेशन पर स्किल डेवलपमेंट सेंटर, मेडिटेशन सेंटर एवं प्रथम तल पर विस्तारित रनिंग रूम का उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही महाप्रबंधक महोदय द्वारा भेलवा, घोड़ासहन, बैरगनियां स्टेशनों का भी निरीक्षण किया गया तथा स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का जायजा लिया गया।

घोड़ासहन स्टेशन पर महाप्रबंधक महोदय ने टीआरडी गैंग का निरीक्षण किया एवं प्रदर्शित किए गए पी-वे टूल्स का अवलोकन किया ।

निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक महोदय सीतामढी स्टेशन पहुंचे जहां उन्होंने स्टेशन का निरीक्षण किया एवं स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का जायजा लिया तथा आरपीएफ बैरक का उद्घाटन किया ।

छत्तीसगढ़ के कोरबा से धर्मजयगढ़ तक रेलवे लाईन बिछाए जाने को,एग्रीमेन्ट पर हुए हस्ताक्षर

रे.स.ब्यू./सूत्र. बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के कोरबा (उरगा) से धर्मजयगढ़ तक रेलवे लानि बिछाए जाने के लिए आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड (सीईआरएल) के मध्य कन्शेसन एग्रीमेन्ट पर हस्ताक्षर किए गए ।

इस एग्रीमेन्ट के बाद कोरबा (उरगा) से धर्मजयगढ़ तक लगभग ६२.५ किलोमीटर की नयी रेलवे लानि के विकास का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा ।

इस अवसर पर श्री आलोक कुमार महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, श्री छत्रसाल सिंह, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री वाई.के. चौधरी, मुख्य परिचालन योजना प्रबंधक, श्री मनोज कुमार प्रसाद, चेयरमेन सीईआरएल एवं सीडब्ल्यूआरएल सह एसईसीएल के निदेशक तकनीकी, श्री जे.एन. झा सीईओ सीईआरएल, श्री अंकुश गुप्ता ईडी इरकश्न तथा डायरेक्टर सीईआरएल व दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तथा छत्तीसगढ़ ईस्ट रेल लिमिटेड के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे । उपरोक्त एग्रीमेन्ट के जरिए छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड लगभग ३० वर्षों तक ढुलाई राजस्व भारतीय रेल के साथ शेयर करेगी जिसके एवज में रेल व्यवस्था का संचालन, रख-रखाव तथा निर्माण उपलब्ध कराया जाएगा ।

छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड कम्पनी को 'स्पेशल पर्पस व्हीकल' (एसपीवी) माडल पर विकसित किया गया है तथा इसमें एसईसीएल के साथ-साथ ईरकॉन इन्टरनेशनल लिमिटेड व छत्तीसगढ़ शासन के छत्तीसगढ़ स्टेट इन्डस्ट्रियल डेव्हलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड की सहभागिता है ।

लगभग १७०० करोड़ रूपये की संभावित लागत से विकसित की जा रही ईस्ट रेल क,रीडोर परियोजना मार्च २०२५ तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। छत्तीसगढ़ के सूदूर अंचलों में यातायात व माल ढुलाई के लिहाज से यह परियोजना बेहद महत्वपूर्ण है। इस परियोजना से जुड़े भूमि अधिग्रहण का अधिकतम कार्य पूरा कर लिया गया है वही वन स्वीकृति भी अग्रिम चरण में है ।

ईस्ट रेल कॉरीडोर के संचालित होने से एसईसीएल के माण्ड-रायगढ़ कोलफील्ड केप्टिव ब्लॉक तथा कमशियल माईनिंग की परियोजनाओं से कोयले के ढुलाई में भी तेजी व सहूलियत आने की आशा है।

यह प्रोजेक्ट माण्ड-रायगढ़ कोलफील्ड्स एवं वसुन्धरा कोलफील्ड्स में कोयले के डिस्पैच के लिए अतिरिक्त रूट उपलब्ध कराएगा।

पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा? कृपया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें। इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

प्रधान सम्पादक
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

चाइनीज मंझे की चपेट में आया युवक

प्रयागराज। चाइनीज मंझे की रोक के बाद आनंद भवन के पास एलनगंज निवासी मनीष सैनी मंझे से जख्मी हो गया। बाइक से जाते वक्त चाइनीज मंझे ने उसका गला रेत दिया और उसे गहरा जख्म हुआ। आसपास के लोगों की मदद से उसे पास ही स्थित अस्पताल ले जाया गया जहां उसे १२ टांके लगाने पड़े। डॉक्टरों ने उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है।

हमारे ग्राहक

"हमारे पास आने वाला हर ग्राहक एक महत्वपूर्ण अभ्यागत है। वह हम पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम उस पर निर्भर हैं। वह हमारे काम में बाधक नहीं, साधक है। वह हमारी कार्य-सीमा से विलग नहीं है, बल्कि उसका ही अंग है। हम उसकी सेवा करके सउस पर उपकार नहीं करते वरन् वह हमें सेवा का अवसर प्रदान कर हमें अनुग्रहीत करता है। ग्राहक से तर्क करना उचित नहीं है। उससे तर्क करके अभी तक किसी को सफलता नहीं मिली।" महात्मा गांधी

रेल मदद एप से प्राप्त यात्रियों की शिकायतों को त्वरित निराकरण करने वाले रेलकर्मी हुए सम्मानित

रे.स.ब्यू./सूत्र. बिलासपुर। रेल मदद एप द्वारा यात्रियों से प्राप्त समस्याओं/शिकायतों के त्वरित निराकरण में सर्वश्रेष्ठ योगदान एवं भूमिका निभाने वाले रेल कमियों को आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय, बिलासपुर में महाप्रबंधक आलोक कुमार के द्वारा सम्मानित किया गया । यात्रियों से प्राप्त समस्याओं/ शिकायतों के त्वरित निपटान करने में और फिर उनसे फीडबैक लेने में महाप्रबंधक महोदय/ अपर महाप्रबंधक महोदय के निर्देशों व अनुदेशों के बाद पूरे भारतीय रेल में हमारे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसी कड़ी में माह जनवरी २०२२ एवं फरवरी २०२२ के लिए सम्मानित होने वाले रेलकमियों में एल. नायक, आरपीएफ़, रवि कुमार वर्मन, वाणिज्य, रमेश कुमार श्रेष्ठ, आरपीएफ़, कविता कुमारी, आरपीएफ़,सुनीता फ्रांसिस, कामर्शियल क्लर्क, अंबिका चौहान, कामर्शियल क्लर्क, डी.के.चंद्राकार, जूनियर इंजीनियर, कैरिज - वैगन, विनय कुमार, आरपीएफ़, अमित कुमार सिन्हा,कामर्शियल क्लर्क सम्मिलित थे। प्रधानमंत्री की डिजिटल पहलों के अनुरूप भारतीय रेलवे ने शिकायत प्रबंधन प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल करते हुए रेल यात्रियों की शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया को सुधारने एवं तेज करने के लिये रेलवे के द्वारा पिछले ३ वर्षों से 'रेल मदद' नाम से एक एप जारी किया है।रेल मदद एप यात्रियों की शिकायतों को दर्ज कर शिकायतों के निवारण की स्थिति के बारे में उन्हें लगातार जानकारी मुहैया कराता है। इस एप पर रजिस्ट्रेशन के बाद एसएमएस के जरिये शिकायत संख्या तुरंत उपलब्ध कराकर रेलवे द्वारा उठाये गये कदमों की जानकारी भी एसएमएस द्वारा दी जाती है। पूर्व में रेलवे के द्वारा जितनी भी हेल्पलाइन नंबर इस्तेमाल में थी उन सभी को 'रेल मदद' एप में समाहित की गई है। हेल्पलाइन नंबर १३६ पर भी काल करने से 'रेल मदद' द्वारा यात्रियों की समस्याओं का निराकरण किए जा रहे है ।

यूपी में १५ करोड़ गरीबों को तीन महीने तक मुफ्त राशन की सौगात

रे.स.ब्यूरो। यूपी में लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर कीर्तिमान बनाने वाले योगी आदित्यनाथ ने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले दिन कैबिनेट बैठक में बड़ा निर्णय लिया है। यह नवगठित सरकार का पहला निर्णय है। कोरोना काल के दौरान शुरू की गई मुफ्त राशन योजना को तीन महीने के लिए और आगे बढ़ा दिया गया है।

बतादें कि पहले इसे मार्च २०२२ तक ही जारी रहना था। मुख्यमंत्री ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि देश के ८० करोड़ और प्रदेश के १५ करोड़ गरीबों को इस योजना का लाभ मिल रहा है। हमारी पहली कैबिनेट बैठक में इस योजना को तीन महीने आगे और बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत गरीबों को खाद्यान्न के साथ दाल, नमक, चीनी और तेल भी दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि इस योजना से राज्य के खजाने पर ३२७० करोड़ रुपये का भार पड़ेगा। इस निर्णय के बाद राज्य के १५ करोड़ लोगों को अगले तीन महीने तक प्रधानमंत्री अन्न योजना के तहत लाभ मिलता रहेगा। प्रेस कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी मौजूद रहे। वहीं इन चुनाव में जीत का एक बड़ा कारण मुफ्त राशन योजना को बताया जा रहा है जिसे ध्यान में रखते हुए सरकार इस योजना को जारी रखने के पक्ष में है। प्रदेश सरकार अब २०२४ के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि यह योजना २०२४ के चुनाव तक जारी रहेगी। इस योजना का प्रभाव रहा है कि प्रदेश के हर वर्ग के मतदाताओं ने भाजपा को वोट किया और फिर से सत्ता में आने के लिए जनादेश दिया।

Window Trailing Inspection BY MINISTER OF RAILWAYS

Shri Ashwani Vaishnaw, Minister of Railways, Communication, Electronics & Information Technology alongwith General Manager, North Eastern Railway Shri Vinay Kumar Tripathi inspected doubling of Banaras, Prayagraj Jn. Section, construction of important bridge between Daraganj-Jhusi and other development rail projects through window-trailing on December 25. 2021 Divisional Railways Manger Varanasi, Shri Ramashray Pandey and senior railway officers present during the inspection from Banaras to Jhusi section, the Minister of Railways took stock of ongoing doubling project and related developmental works at stations. He also discuss-ed, as length, about raising and extension of platforms, foot over bridge, platforms, and foot over bridge, platform sheds and other passenger amenities stations. The Minister of Railways stopped at Jhusi railways station and enquired about the operating facilities, passenger amenities, beautification and improvement of station building. He discussed about the arrangements of temporary shelter, toilets, water hydrant, ticket, counters, enquiry counters and control room for the pilgrims during Mela period. He also saw the under construction important rail bridge between Jhusi-Daraganj section under doubling project and instructed the officers to complete the it as early as possible. In the last leg, Shri Vaishnaw inspected Daraganj-Prayagraj Rambagh through window trailing and later reached Prayag. Jn. Station. He discussed several issued with General Manger, North Easter Railway, Shri Vinay Kumar Tripathi such as strengthening of operating system between Banaras and Prayag section and acceleration of speed of trains on this route. (PIB)

रेल मंत्री ने यात्री ट्रेन एवं ओडिशा में कई रेल विकास कार्यो का उद्घाटन किया

साभारः केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ७ जनवरी, २०२ को बालासोर में कई यात्री सुविधाओं और विकास कर्यो का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री बिश्वेष्वर टुडू, राज्यमंत्री, जनजातीय मामलों के मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय एवं प्रताप चंद्र सारंगी, सांसद उपस्थित थे।

रेल मंत्री ने बालासोर स्टेशन से ०८४११ बालासोर-भुवेने वर मेमू पैसेंजर को झंडी दिखाकर रवाना किया। वैश्णव ने बालासोर और गोपीनाथपुर को बीच यात्री सेवाओं के उद्घाटन के कार्य की आधारशिला भी रखी। बाद में मंत्री जी विकास कार्यो के उद्घाटन के लिए बस्ता स्टेशन गए। उन्होंने जले वर मे नए स्टेशन भवन की आधारशिला भी रखी।

विभिन्न स्थानों पर सभा को संबोधित करते हुए, रेल मंत्री ने कहा कि मेमू ट्रेन के उद्घाटन से राज्य की राजधानी भुवनेश्वर के साथ बालासोर की बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी। बालासोर और आसपास के दूरदराज के इलाकों में रेल नेटवर्क के विस्तार से यात्रियां को भुवनेश्वर और भद्रक जैसे प्रमुख स्टेशनों की ओर यात्रा करने में मदद मिलेगी।

यात्री सुविधाओं को महत्व देते हुए उन्होंने कहा कि बस्ता और जलेश्वर में स्टेशन निर्माण और अन्य सुविधाओं के विकास से स्थानीय लोगों को काफी मदद मिलेगी।

सरकार ओडिशा के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस संबंध में एक बड़े कदम के रूप में हाल ही में ओडिशा में रेलवे नेटवर्क के विस्तार के लिए धन के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि की गई है।

जलेश्वर को ओडिशा के प्रवेश द्वार के रूप में उल्लेख करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से जले वर में स्टेशन के डिजाइन सहित विकास कार्यो की निगरानी करेंगी। श्री वैश्णव ने सभी चालू रेल परियोजनाओं को समय पर पूरा करने पर भी बल दिया।

विभिन्न स्थानों पर विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समारोह में दक्षिण पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री अर्चना जोशी, श्री मनोरंजन प्रधान, मण्डल रेल प्रबंधक, खड़गपुर और दक्षिण पूर्व रेलवे के अन्य प्रमुख अधिकारी भी शामिल हुए।

REVIEW MEETING OF MINISTER OF RAILWAYS

Shri Ashwani Vaishnaw, Minister of Railways, Communication, Electronics & Information Technology, Government of India, presided over a meeting held in Conference Hall of Banaras Locomotive 24, 2021 with representatives of public & railway officers to resolve the problems arising out during execution of developmental rail projects, During meeting detailed discussion was held regarding on going rail projects in Uttar Pradesh.

Minister of Railways took stock of various developmental rail projects and their actual progress and came to know about various issues and demands of representatives of public. Many issues raised, during the meeting, few of them were immediately resolved. Shri Ashwani Vaishnaw instructed the officers to dispose of remaining issues after joing physical inspection with concerned representative of public to arriving at apt solutions as per rule.

This meeting aimed at resolving the issues of public, was attended by Minister of State, (Independent Charge) for Tourism, Culture of State for Protocol, Utter Pradesh Shri Neel Khant Tiwari, Minister of State (Independent Charge) for Stamp & Court Fees and Registrations, Uttar Prades, Shri Ravindra Jaiswal, Member of Parliament, Shri Saurabh Srivastava, M. L.A. Shri Surendra, Narayan Sing M.L.A. Shri Sharda Prasad, General Manager, North Eastern Railwas, Shri Vinay Kumar Tripathi. General Manager Northern Railway, Shri Ashutos Gangal, General Manger, North Central Railway, Shri Pramod Kumar, General Manger, East Central Railway Shri Anupam Sharms, Genral Manger, Banaras Locomotive Works, Ms. Anjali Goel, Divisional Railway Manger, North Easter Railwy/Varanasi, Shri Ramashray Pandey, Divisional Railway Manger, Northern Railway/ Lucknow, Shri S. K. Sapra, Divisional Railway Manager, East Central Railway/Pt.

Deen Dayal Upadhayay, Shri Rajes Pandey and senior railway officers. Welcoming the Minister of Railways and other distinguished guest, General Manger, North Easter Railway, Shri Vinay Kumar Tripathi said the various rail projects have been completed for the development of Varanasi area and works are in full-swing of remaining projects. These projects would provide excellent passenger amenities to public. He sati that the guidance and directions given by Minister of Railways and representatives of public would go a long in providing better and modern rail survives as per expectations of public. During a brief interaction with media persons, Minister of Railways Shri Vaishnaw said the present government is spending Rs. 12000 crore annually against Rs. 1100 crore by the previous governments for rail projects in Uttar Pradesh. He instructed railway officers for speedy redressal of issues raised by representatives of public as per rules and they should be suitably informed. He said that our work culture must reflect the victory of Jan-Gan-Man. Earlier, Minister of Railways laid emphasis on high quality and capacity enhancement of electric locomotives being produced by Banaras Locomotive Works. (PIB)

अध्यक्ष लोक सभा ने पुनर्विकसित सोगरिया रेलवे स्टेशन का लोकार्पण किया

साभार : अध्यक्ष लोकसभा, ओम बिरला द्वारा केंद्रीय रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री, दर्शना जरदोश की उपस्थिति में ५ जनवरी, २०२२ को पुनर्विकसित सोगरिया रेलवे स्टेशन का तथा कोटा, बूंदी, डकनिया तलाव और रामगंज मंड़ी रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का लोकापर्ण किया गया। इस दौरान वर्चुअल माध्यम से सागर के सांसद राज बहादुर सिंह एवं उज्जैन के सांसद श्री अनिल फिरोजिया, रामगंज मंडी के विधायक श्री मदन दिलाव, बूंदी के विधायक श्री अशोक डोगरा, केशोराय पाटन की विधायक श्रीमती चंद्रकांता मेघवाल, कोटा (दक्षिण) के विधायक श्री संदीप शर्मा, लाडपुरा की विधायक श्रीमती कल्पना देवी सहित पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता तथा मण्डल रेल प्रबंधक श्री पंकज शर्मा भी मंचासीन थे।

अतिथियों ने कोटा-बीना, कोटा-नागदा ताकि कोटा झालावाड़ सिटी मेमू ट्रेनों की उद्घाटन सेवा को हरी झण्डी दिखाकर सोगरिया रेलवे स्टेशन से रवाना किया। इस अवसर पर श्रीमती दर्शना जरदोश ने कहा कि रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का विस्तार करते हुए विभिन्न प्रकार के ट्रेन इन्फॉर्मेशन डिसप्ले बोर्ड भी लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि नई मेमू ट्रेनों से रेल यात्रियों को अपने गंतव्य तक जाने में काफी सुविधा होगी।

मध्य रेल की १,०००वीं किसान रेल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

साभारः अश्विनी वैश्णव, केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री और श्री नरेंद्र सिह तोमर, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने ३ फरवरी, २०२२ को वेबलिंक के माध्यम से मध्य रेल की सावदा, महाराष्ट्र से आदर्श नगर, दिल्ली के लिए किसान रेल की १,०००वीं सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सवदा से आदर्श नगर दिल्ली रवाना हुई इस किसान रेल में १८ पार्सल वैन सहित २३ डिब्बे थे, जिनमें ४५३ टन केलों का परिवहन किया गया।

इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि हमारा देश कृशि प्रधान है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में किसानों की बेहतरी के लिए अनेक पहलों को क्रियान्विती किय गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सिकान रेल के माध्यम से बेहतर मूल्य दिलवानें के लिए दूर-दूरी के बाजारों में फलों और सब्जियों का परिवहन एक ऐसी ही योजना थी। श्री तोमर ने कहा कि मध्य रेल पर किसान रेल की १०००वीं सेवा को हरी झंडी दिखाने के इस अवसर पर उपस्थित होकर उन्हें बहुत खुशी हो रही क्योंकि वे पहली किसान रेल और १००वीं किसान रेल को हरी झंडी दिखाने के अवसर के भी साक्षी थे।

रेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा किसान हित को केन्द्र में रखते हैं और किसानों की भलाई के लिए विभिन्न कदम उठातें हैं। किसान रेल एक ऐसी पहल है जिसने किसानों को अपनी कृशि उपजी को दूर-दराज के बाजारों तक आर्थिक रूप से और तेजी से पहुँचाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जीआई-टैग प्राप्त प्रसिद्ध जलगांव के केले का भी गर्व के साथ जिक्र किया।

उन्होंने जलगांव के किसानों को बधाई देते हुए उनसे आगे और सुधार के लिए सुझाव देने के लिए आगे और सुधार के लिए सुझाव देने के लिए आगे आने की अपील की।

श्री रावसाहेब दादाराव पाटिल दानवे, केंद्रीय रेल, कोयला खान राज्य मंत्री और श्रीमती रक्षा खड़से, सांसद ने भी किसानों की बेहतरी के लिए रेलवे द्वारा की गई पहल की सराहना की।

इस अवसर पर सावदा रेलवे स्टेशन पर विधायक द्वय श्री चंद्रकांत पाटिल और श्री गिरीश चौधरी उपस्थित थे।

श्री वी.के. त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड ने स्वागत भाशण दिया और किसान रेल की शुरूआत के बाद से इसके परिचान और छोटे किसानों के बीच यह कैसे लोकप्रियता हासिल कर रही है, के बारे में जानकारी दी। अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक मध्य रेल ने मुम्बई से सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

आयोजन के दौरान सभी कोविड-१६ प्रोटोकाल का पालन किया गया।

निरीक्षण में साफ-सफाई तथा समय से जनता की सुनवायी सुनिश्चित करें-जिलाधिकारी

साभारः जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने सदर तहसील का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लम्बित प्रकरणों तथा चल रही जन सुनवाई का जायजा लिया।

तहसील में साफ-सफाई ठीक न मिलने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा तहसील के चारों तरफ भ्रमण कर जायजा लिया तथा निर्देशित किया कि समय से तहसील में उपस्थित रहकर जनता की सुनवायी सुनिश्चित करें तथा जो भी लम्बित प्रकरण है, उसे गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारण की कार्यवाही करें तथा फाइलों के रख-रखाव को भी व्यवस्थित रखने के निर्देश दिये है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री हर्षदेव पाण्डेय, एसडीएम सदर सौरभ भट्ट सहित सम्बंधित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

Flags Off Nanded-Hadapsar (Pune) Express with New Coaches and Revised Timings & FIRST KISAN RAIL FROM JALNA

Shri Raosaheb Patil Danve, Hon'ble' Minister of State of Railways, Coal and Mines, Government of India flagged off Nanded –Hadapsar (Pune) Express with new coaches and revised timing & First Kisan Rail from Jalna of 2nd January, 2022 in the presence of public representatives and local public, Speaking on the occasion, Shri Raosahen Patil Danve stated that Nanded-Hadapsar (Pune) Express timing have been revised to provide convenient train timing for the people of Marthwada region, The new LHB Coaches will provide modern amenities like CCCTVs for enhanced security, train information system for providing train running information etc. Also, the Kisan Rail flagged-off today will provide connectivity with large markets of the Nation to the farming community for transporting their agricultural produce likefruits, vegetables etc with 50% transport subsidy, He said that the Hon'ble' Prime Minister of India, Shri Narendra Modi ji, dreams about Atmanirbhar Bharat and Indian Railways is starving to make it a reality. The Indian Railways started the survey of doubling the Manmad-Aurangabad section initially with an expenditure of Rs. 1000 Crs. Doubling of railway line from Aurangabad to Jalna and beyond will be taken up soon in the next phase. Proposal to build a pit line at Jalna railway station with an expenditure of Rs. 100 Crs. Is under active consideration. (PIB)

रेल राज्यमंत्री द्वारा नए कोच और संशोधित समय के साथ नांदेड़-हडपसर (पुणे) एक्सप्रेस का शुभारंभ

साभारः केन्द्रीय रेल, कोयला और खान राज्यमंत्री श्री रावसाहेब पाटील दानवे ने जालना से नए कोचों और संशोधित समय वाली नांदेड़-हडपसर (पुणे) एक्सप्रेस और पहली सिकार नेल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर श्री दानवे ने कहा कि नांदेड़-हडपसर (पुणे) एक्सप्रेस के समय में संशोधन किया गया है। ताकि मराठवाड़ा क्षेत्र के लोगों के लिए सुविधाजनय गाड़ी समय प्रदान किया जा सके। नए एलएचबी कोच आधुनिक सुविधाएं प्रदान करेंगे। साथ ही जालना से किसान रेल को भी श्री दानवे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रेल किसान समुदाय को उनके कृषि उपज, जैसे फल, सब्जियों आदि का ५०% परिवहन के लिए देश के बड़े बाजारों के साथ कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 'आत्मनिर्भर भारत' के बारे में सपने देखते हैं और भारतीय रेल इसे साकार करने के लिए तैयार है। भारतीय रेल ने मनमाड-औरंगाबाद सेक्शन के दोहरी करण का सर्वेक्षण कार्य, १,००० करोड़ रु० के व्यय से आरंभ किया है।

अगले चरण मे औरंगाबाद से जालना और उसके आगे तक रेलपथ दोहरीकरण का कार्य शीघ्र ही आरंभ किया जाएगा। जालना रेलवे स्टेशन पर १०० करोंड़ रु. की लागत से पिट लाइन बनाने का प्रस्ताव सक्रिय रूप से विचाराधीन है।

ए. के. जैन अपर महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने अपने स्वागत भाशण में कहा कि जोन मराठावाड़ा क्षेत्र में माल और पार्सल परिवहन पर विशेष ध्यान देने के साथ अवसंरचना और रेल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आगरा किला रेलवे स्टेशन पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का उद्घाटन

उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल में आगरा किला रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या ०१ पर नवनिर्मित लिफ्ट, फसाड लाइटिंग, द्वितीय प्रवेशद्वार पर स्वचालित सीढ़ी एवं प्लेटफार्म संख्या ०१ के सतह सुधार का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री कानून एवं न्याय मंत्रालय, प्रो. एस. पी. सिंह बघेल द्वारा किया गया। यात्रियों को काफी सहूलियत होगी।

इस अवसर पर आगरा किला रेलवे स्टेशन पर प्रो. एस. पी. सिंह बघेल ने सांसद निधि से कुली विश्राम गृह में सुविधाएं बढ़ाने हेतु अपनी सहमति दी। इस अवसर पर आगरा मंडल के मण्डल रेल प्रबन्धक श्री आनन्द स्वरूप उपस्थित रहे।

गोमती नगर स्टेशन से विभिन्न यात्री सुविधाओं और रेलगाड़ियों का शुभारंभ

साभार : केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैश्णव ने को गोमतीनगर स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में गोमतीनगर स्टेशन पर नवनिर्मित द्वितीय प्रवेश द्वार सहित टर्मिनल सुविधाओं एवं कोचिंग काम्प्लेक्स का उद्घाटन फलक अनावरण कर तथा गोमती नगर-कामख्या एक्सप्रेस, मैलानी-बिछिया सवारी गाड़ी एवं कानपुर सेन्ट्रल-ब्रहमावर्त मेमू गाड़ी का शुभारम्भ हरी झण्डी दिखाकर किया। इस अवसर पर सांसद डॉ० अशोक बाजपेई, सदस्य विधान परिशद् श्री अवनीश कुमार सिंह, महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेल अधिकारी गोमती नगर स्टेशन पर उपस्थित थे।

समारोह को सम्बोधित करते हुए रेल मंत्री श्री वैष्णव ने कहा कि लखनऊ शहर का तेजी से विकास एवं विस्तार हो रहा है और यह नगर शैक्षणिक, औद्योगिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में विशेष महत्व रखता है। इसे ध्यान में रखर लखनऊ नगर के पूर्वी क्षेत्र में अवस्थित गोमती नगर स्टेशन को टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित किया गया और कोंचिंग कॉम्प्लेक्स सहित अन्य आव यक सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। रेल मंत्री श्री वैश्णव ने कहा कि स्टेशनों का विकास आगामी ५० वर्षो की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर किया जा रहा है। रेलवे एवं डाक विभाग के संयुक्त प्रयासों से किसान एवं छोटे उद्यमियों के माल देश के कोने-कोने में भेज जा रहे हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में ६७,००० करोड़ की रेल परियोजनाएं चल रही हैं।

हिमालय की तलहटी में स्थित मैलानी-दुधवा क्षेत्र के लोगों एवं दुधवा नेशनल पार्क जाने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए मीटर गेज खण्ड पर पर्यटक कोच युक्त मैलानी-बिछिया सवारी गाड़ी का शुभारम्भ किया गया है। समारोह से पूर्व रेल मंत्री ने महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे के साथ गोमती नगर स्टेशन पूर्वोत्तर रेलवे के साथ गोमती नगर स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया। समारोह के उपरांत उन्होंने यहाँ नवनिर्मित कोंचिग कॉम्प्लेक्स में गाड़ी अनुरक्षण एवं धुलाई की आधुनिक सुविधाओं का निरीक्षण किया।

Central Railway Earns Rs. 350. 81 Crore From Disposal of Scrap

Central Railway launched zero scrap mission to ensure that each Divisions, Workshop and Sheds are free from scrap materials. In pursuance of this mission, Bhusaval Division achieved highest ever single day scrap sale of Rs. 15.53 Cr. During the auction conducted on 03.01.2022. Till 4the January 2022, Central Railway has sold Rs. 350.81 Crore worth scrap during the year 2021-22. This has been achieved by disposal of 35,119 MT Scrap Rails/Permanent Way, 358Nos Locos, Coaches & Wagons in addition to other Ferrous and Non-Ferrous scrap items. Also scrap from 731 abandoned quarters having total sale value of Rs. 166 Lakhs have been sold through e-Auction at competitive rates. Central Railway is taking proactive steps to simplify existing procedure to facilitate expeditious disposal of abandoned structures & making al efforts to identify and mobilize additional scrap to surpass the target given by Railway Board and to achieve the Zero Scrap mission. Shri Anil Kumar Lahoti. General Manager, Central Railwya said that sale of scrap is not only helping in generating revenue but also maintaining premises in better upkeep. He also said that Central Railwya will work in a mission mode to sell all the indentified scrap material at various locations in railways.

General Manager Reviews PERFORMANCE OF NORTHERN RAILWAY

Shri Ashutosh Gangal, General Manager Northern Railway held a review meeting with the departmental heads of Northern Railway through video conferencing. Delibera-tions were held on keeping focus on passenger amenities at stations like extension of platforms, increase of level of platforms, washable aprons, provision of 2nd entry, foot over bridges, Escalators, lifts facilities for Divayangjans, improvement of station building including façade etc. He also reviews the progress of mobility enhancement and other developmental infrastructure works and Freight loading.

He instructed to maintained good record of punctuality of trains and expedites the works related with mobility enhancement and conducting drives to check the progress. He4 stressed upon to curb any kind of obstruction during operation of trains. He reviewed the work done over the zone in improving the maintenance standard of track, weld and removal of scrap lying near the done over the zone in improving the maintenance standard of track, welds and removal of scrap lying near the tracks. He also emphasized on completion of the projects on time. The GM also took stock of the tree cutting activity and removal of vegetation alongside the tracks.

He further emphasized that the railway working should be transparent. He stressed upon maximum use of technology os that human intervention can be minimized and transparency in all sphere of railway working may be established. He told the efforts should be enhance to minimizing the human failure in train operation. Shri Ashutosh Ganal, also reviews the performance of Business Development Units. He directed that the efforts should be enhance to increase the share of freight business of railways, customer mapping and engagement, and exploring new business opportunities. Northern Railway is committed to provide safe, smooth and efficient services to customers. (Source NR)

रेलवे ने आरडीएसओ में वेंडर की मंजूरी के लिए आवेदन करने हेतु लिया जाने वाला वेंडर आवेदन शुल्क घटाया

साभार : भारतीय रेल अपनी आपूर्ति श्रृंखला के साथ अधिक से अधिक उद्योग साझेदारों को जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत् रही है। इसी क्रम में वेंडरों के एकल- संयोजन अनुमोदन के लिए एकीकृत वेंडर अनुमादेन प्रणाली भी लागू की गई है, जिसके तहत वेंडरों को आवेदन जमा करने से लेकर भुगतान, संचार और अन्तिम अनुमोदन तक वेंडर मंजूरी हेतु पूर्ण एकल-खिड़की ऑनलाइन प्रक्रिया सुलभ कराई जाती है।

इसमें वेंडरों को सभी संबधित विवरणों, रेखाचित्र एवं विनिर्देशों तक मुफ्त ऑनलाइन पहुँच प्रदान की जाती है और आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक की जा सकती है। इसमें उन सम्पर्क केंद्रों की संख्या कम कर दी गई है जहाँ कोई वेंडर अनुमोदन एजेंसी के साथ संवाद कर सकता है।

इस दिशा में एक ओर निर्णय के तहत चिन्हित सुरक्षा मदों हेतु आरडीएसओ में वेंडर की मंजूरी के लिए आवेदन करने हेतु लिए जाने वाले वेंडर आवेदन शुल्क को कम कर दिया गया है। आरडीएमओ अनुमोदन के लिए वेंडर आवेदन शुल्क एमएसएमई को छोड़ अन्य के लिए २.५ लाख रुपये और एसएसएमई के लिए १.५ लाख रुपये था। इसे अब क्रमशः २.५ लाख रुपये से घटाकर १५,००० रुपये और १.५ लाख रुपये से घटाकर १०,००० रुपये कर दिया गया है। एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए ही कम शुल्क का विशेष प्रावधान रखा गया है।

इस पहल से उद्योग जगत के लिए कारोबार करने की लागत और कम हो जायेगी। इससे रेलवे की आपूर्ति श्रृंखला में और अधिक वेंडर जुड़ जाएंगे।

मध्य रेल द्वारा 'माथेरान रेल उत्सव' का आयोजन

साभार : मध्य रेल ने १३ और १४ नवम्बर २०२१ को माथेरान नगर परिषद् के सहयोग से २ दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव -माथेरान रेल उत्सव मानया गया। इस उत्सव ने माथेरान लाइट रेलवे (एमएलआर) को सांस्कृतिक परिदृश्य के रूप में भी पेश किया, साथ ही सांस्कृतिक परिदृश्य की सुरक्षा और प्रबंधन के लिए यूनेस्को ग्रीस मेलिना मकौरी अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार-२०२१ के लिए भी सिफारिश की गई।

हसेची पट्टी समूह और मंडल सांस्कृतिक अकादमी द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में दुर्लभ जड़ी-बूटियों वाला हर्बल गार्डन स्थापित किया गया है। अमन लॉज और माथेरान के बीच अपनी शटल सेवाओं के साथ मध्य रेल ने इस स्थान को प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

Visit of High-level delegation of National Railways of Zimbabwe to Banaras Locomotive Works

BLW make Diesel Locomotives are making their presence felt in Africa. In the spirit of Atmanirbhar Bharat, Cape Gauge Diesel Locomotives Designed in India, • Made in India and •Financed by India • For Export Were exported to for Mozambique. The crank-case assembly, which is most important item of the engine, is made in-house at BLW. These locomotives are currently successfully being operated as multiple units to haul coal from Coal Mines.

These locomotives were formally inaugurated by H.E. the President of Mozambique, in presence of H.E. the President of Zimbabwe at Beira on 11th of February 2022 and High Commissioner of India at Mozambique. This threw the spot light on BLW and catapulted it as a trustworthy partner and locomotive manufacturing brand.

As a result, a five-member high-level delegation of National Railways of Zimbabwe along with the officials of M/s RITES are visiting India.

GM/ BLW greeted Advocate Martin Tafara Dinha/ Board Chairman NRZ, Mr. Elesh Kumar Patel/Board Member, Ms. Respina Zinyanduko/General Manager, Mr. Lovemore Katonha/ Traction and Quality and Mr. Tsietsi Ndlovu/ Regional Engineer during their meeting with RITES and assured them of full support and promptness in fulfilling their export orders. She assured the Team from Zimbabwe that BLW was very keen on participating in the economic growth and modernization of the National Railways of Zimbabwe. The team from National Railways of Zimbabwe visited Banaras Locomotive Works on 29.03. 2022 to see the manufacturing facilities available at BLW.

On this occasion, a meeting of delegates was held with a team of higher officials from BLW. During the meeting, capabilities of BLW were showcased and details of loco exported were apprised to delegation from Zimbabwe.

Thereafter, the high level delegation visited various shops of BLW Workshop like New Block Shop, Engine Test Shop, Loco Assembly Shop etc. During shop visit, delegation was apprised about the various stages of manufacturing involved in manufacturing of locomotives. Delegation was also shown state of the art manufacturing facilities available at BLW. Standard gauge Locomotive converted from Broad Gauge locomotive was also shown to the delegation. The delegation was impressed by the design capabilities and manufactu-ring facilities available at BLW. (Source BLW)

अरुण कुमार सक्सेना बनाये गये रेलवे बोर्ड के सलाहकार, कवच का देखेंगे काम

साभार : नई दिल्ली भारतीय रेल संकेत एवं दूरसंचार सेवा (IRSSE) के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी और उत्तर मध्य रेलवे के पूर्व महाप्रबंधक अरुण कुमार सक्सेना को रेलवे बोर्ड में सलाहकार नियुक्त किया गया है। इसके आदेश शुक्रवार, ११ मार्च २०२२ को जारी किये गये. श्री सक्सेना रेलवे बोर्ड में खासतौर पर "कवच" एवं सिग्नलिंग विभाग से संबंधित मामलों के साथ अन्य जिम्मेदारियों को देखेंगे. सक्सेना की यह नियुक्ति फिलहाल एक साल के कार्यकाल के लिए की गई है. श्री सक्सेना को एक कर्मठ, निष्ठावान और काम के प्रति समर्पित सक्षम अधिकारी के रूप में जाना है।

उन्हें "कवच" की देखभाल और भारतीय रेल के सिग्नलिंग सिस्टम को अपग्रेड करने की जिम्मेदारी सौंपकर रेलमंत्री ने बहुत सही काम किया है।

न्यायाधीश, जिलाधिकारी एवं एस०एस०पी० ने नैनी सेन्ट्रल जेल का किया औचक निरीक्षण

साभार :जनपद न्यायाधीश श्री नलिन कुमार श्रीवास्तव, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री एवं एस०एस० पी० अजय कुमार ने केन्द्रीय कारागार, नैनी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आगन्तुक रजिस्टर की जांच की। उन्होंने इसके उपरान्त कारागार में साफ-सफाई, भोजन मीनू के अनुसार मिल रहा है कि नहीं, कैदियों के लिए बनने वाले भोजन की शुद्धता की जांच की। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारी से स्वास्थ्य परीक्षण तथा पूर्व निरीक्षणों की आख्या तथा बन्दियों को किस जुर्म के साथ किस धारा में सजा मिली है आदि की जानकारी ली। उन्होंने कारागर के अन्दर लगे कैमरों, जैमर आदि जांच की तथा मौके पर स्वयं देखा की ये क्रियाशील हैं भी या नहीं।

उन्होंने कारागार के अन्दर बन्दीयों को दिये जाने वाली व्यावसायिक प्रशिक्षण की भी जानकारी प्राप्त की।

'अंत्योदय' और 'आत्मनिर्भर भारत' ऐसे दर्शन हैं जो हमारी सरकार के लिए आगे के रास्ते' पर निर्णय करेंगेः अश्विनी वैष्णव

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। दूरसंचार विवाद निपटान तथा अपीली ट्रिब्यूनल (टीडीसैट) ने दिनांक १३.०३.२०२२ को 'ट्राई अधिनियम के २५ वर्षः हितधारकों (दूरसंचार, प्रसारण, आईटी, एईआरए तथा आधार) के लिए आगे का रास्ता पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। केन्द्री य संचार, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना तथा प्रौद्योगिकी और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैश्णःव ने भारत दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) अधिनियम के २५ वर्ष की यात्र पूरी होने के अवसर पर आयोजित संगोष्ठीव का उद्घाटन किया। वर्ष १९९७ में भारत में दूरसंचार क्षेत्र को विनियमित करने के लिए ट्राई अधिनियम लागू किया गया था। इसने दूरसंचार के हितधारकों के बीच विवाद समाधान के लिए भी एक तंत्र उपलब्ध कराया। ट्राई से न्या यनिर्णय तथा विवाद दायित्वोंच को लेने के लिए एक दूरसंचार विवाद निपटान तथा अपीली ट्रिब्यूननल (टीडीसैट) की स्थादपना करते हुए इसे वर्ष २००० में संशोधित किया गया।श्री अश्विनी वैष्णव ने इस संगोष्ठी के आयोजन के लिए टीडीसैट को बधाई दी। वैष्ण व ने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत', सरकार की रणनीति और दृष्टिकोण को दिशा-निर्देशित करने वाला दूसरा प्रमुख दर्शन है। उन्होंने कहा कि भारतीय मस्तिष्कण ने अन्य प्रणालियों के विकास की तुलना में बहुत कम लागत का उपयोग करते हुए रिकॉर्ड १४ महीनों में ४जी प्रौद्योगिकी स्टैक विकसित किया है।

इसके अतिरिक्तय, मंत्री ने ५-जी कोर के विकास में भारतीय संस्थानों और वैज्ञानिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साथ ही हमने ६जी तकनीक पर काम करना आरंभ कर दिया है ताकि हम ६जी में बढ़त प्राप्तह कर सकें और पूरी दुनिया को दिशा दे सकें।अपनी टिप्पणी का समापन करते हुए वैष्णव ने दूरसंचार क्षेत्र को सनराइज सेक्टऔर बनाने के लिए बार एसोसिएशन, न्यायपालिका, उद्योग, मीडिया आदि के सदस्यों से सुझाव मांगे।सर्वोच्च, न्याायालय की न्यायाधीश सुश्री न्याहयमूत इंदिरा बनर्जी ने न्यायपालिका में काम करने के अपने अनुभव और इसी अवधि के दौरान प्रौद्योगिकी में हुए विकास को साझा किया। ट्राई की यात्रा और भारत में दूरसंचार क्षेत्र के विकास की चर्चा करते हुए, उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय दूरसंचार नीति, १९९४ ने दूरसंचार क्षेत्र में निजी संस्थाओं के प्रवेश की अनुमति दी और निजी क्षेत्र के प्रवेश के साथ, इस क्षेत्र के लिए एक नियामक की आवश्यकता महसूस की गई। इसके कारण १९९७ में ट्राई अधिनियम के अधिनियमन के माध्यम से भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण की स्थापना हुई। प्रारंभ में, ट्राई ने नियामक के साथ-साथ निर्णायक की भूमिका निभाई। ट्राई अधिनियम को २४ जनवरी २००० से प्रभावी एक अध्यादेश द्वारा संशोधित किया गया था, जिसने ट्राई से न्यायिक और विवाद कार्यों का नियंत्रण ग्रहण करने के लिए एक दूरसंचार विवाद निपटान और अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीसैट) की स्थापना की। न्यायमूत इंदिरा बनर्जी ने दूरसंचार क्षेत्र में विनियमन के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि बड़े पैमाने पर दूरसंचार और इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करने वाले लोगों को देखते हुए नियामक उपाय महत्वपूर्ण हैं। विनियामक तंत्र के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस विषय पर सरकार, न्यायपालिका के गणमान्य व्यक्तियों, विभिन्न हितधारकों के प्रतिनिधियों, सेक्टर विनियामकों, प्रख्यात अधिवक्तायओं आदि द्वारा विचार-विमर्श किया गया। उम्मीद की जाती है कि ये चर्चाएं प्रमुख क्षेत्रें, उभरते रुझानों और सेक्टयरों से संबंधित तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डालेंगी।

भारतीय रेल का पहला गति शक्ति कार्गो टर्मिनल आसनसोल मंडल में किया गया शुरू

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टॉमनल' (जीसीटी) के संबंध में प्रधानमंत्री के विजन "गति शक्ति" और रेल मंत्रालय की नीति के अनुरूप भारतीय रेल के आसनसोल मंडल (डिवीजन) ने थापरनगर में मैथन पावर लिमिटेड की निजी साइडिंग को सफलतापूर्वक शुरू कर दिया है। दिसंबर '२०२१ में जीसीटी नीति के सामने आने के बाद से यह भारतीय रेलवे में इस तरह का पहला जीसीटी है मैथन विद्युत परियोजना वर्ष २००६ में शुरू की गई थी और २०११ में यहां विद्युत का उत्पादन शुरू किया गया था। अब तक इस विद्युत परियोजना के लिए कोयले की जरूरत सड़क के रास्ते पूरी की जा रही थी। लेकिन अब हर महीने १२० इनवार्ड (आने वाला) कोयला रैक से इसकी जरूरत पूरी की जाएगी। वहल्, फ्लाई ऐश के २ से ४ आउटवार्ड (जाने वाला) रेकों को साइडिंग से भेजे जाने का अनुमान है। इससे रेलवे की कमाई में हर महीने लगभग ११ करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होगी। यह स्थान औद्योगिक व खनन क्षेत्र के आसपास है और साइडिंग की भविष्य की संभावनाओं को लेकर उम्मीद है। जीसीटी के शुरू होने के अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष व सी ओ वी के त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय रेलवे प्रधानमंत्री गति शक्ति के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा, "रेल के जरिए परिवहन अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है, क्योंकि यह सबसे अधिक ऊर्जा कुशल और परिवहन का सबसे सस्ता माध्यम है।

कोर शत-प्रतिशत विद्युतीकरण की ओर नित गढ़ रहा नये आयाम

साभारः केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत रेल मंत्रालय द्वारा ब्रॉड गेज रूटों का शत प्रतिशत विद्युतीकरण को आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज की बेंगलुरू परियोजना द्वारा दक्षिण पश्चिम रेलवे के मैसूर मण्डल के होस दुर्ग-चिक्कजाजूरु (३० RKM) महत्वपूर्ण खण्ड का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण करने के उपरान्त दिनांक २४.०३.२०२२ को सीआरएस निरीक्षण का कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया है। स्वच्छ पर्यावरण के लिए संकल्पित शून्य कार्बन उत्सर्जन के साथ भारतीय रेल को हरित रेल बनाने की राह पर केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज, अहम भूमिका निभा रहा है। कोर के महाप्रबन्धक यशपाल सिंह, ने बेंगलुरु परियोजना की इस उपलब्धि पर खुशी जताई है।

आजादी का अमृत महोत्सव आयोजन की श्रृंखला में सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

साभारः आजादी का अमृत महोत्सव आयोजन की श्रृंखला शुक्रवार को संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन एवं हिन्दुस्तानी एकेडेमी द्वारा गरिमामय सांस्कृतिक कार्यक्रम हिन्दुस्तानी एकेडेमी के गांधी सभागार में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि देवेन्द्र प्रताप सिंह (सचिव, हिन्दुस्तानी एकेडेमी उ०प्र०, प्रयागराज), संस्कृति विभाग के पाण्डुलिपि अधिकारी गुलाम सरवर, क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डा. राम नरेश पाल एवं जिला सूचना अधिकारी इन्द्रमणि पाण्डेय द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभांरम्भ किया गया। इसके पश्चात् प्रसिद्ध कलाकार आशुतोष श्रीवास्तव एवं लोक कलाकार श्री वेदानन्द वेद के द्वारा भजन एवं लोकगायन की प्रस्तुति की गई। उक्त दोनों कार्यक्रमों का उपस्थित जनसमूह ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। उपस्थित रहे।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१.उच्चतम अधिकारी- १५०० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- १००० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-७०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-५००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
रेल समाचार ब्यूरो कैंप
कार्यालय-८४३६ आर्य नगर
पहाड़गंज दिल्ली-५५

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. 329/255, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-211003 से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.51097-90 पोस्ट ए.डी-8
मो. 9793956044,9935224867
फोन नं.-0532-2418040